राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 293 शनिवार 15 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

पहला कॉलम

280 राष्ट्रीय स्मारकों को वक्फ बोर्ड ने बताई अपनी संपत्ति

जेपीसी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली । संसद में जेपीसी की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है। राष्ट्रीय महत्व के 280 स्मारकों को वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्ति घोषित किया है। इसमें से ज्यादातर स्मारक दिल्ली में स्थित है। राजधानी दिल्ली में कुतुब मीनार, फिरोज शाह कोटला, पुराना किला,हमायू का मकबरा, जहां आरा बेगम की कब्र, कुतुब मीनार क्षेत्र का आयरन पिलर जैसी कई धरोहर हैं। जो भारतीय पुरातत्व द्वारा संरक्षित की जाती हैं। उन्हें भी वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्ति बताया है। शहरी विकास मंत्रालय ने जो रिपोर्ट कमेटी को सौंपी है। उसके अनुसार दिल्ली विकास प्राधिकरण की 130 संपत्तियों को वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्ति बताई है। जेपीसी की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है। कुछ वर्षों पूर्व तक बोर्ड की 52000 पंजीकृत संपत्तियां थी। जो वर्तमान में बढ़कर 9.4 लाख एकड़ जमीन पर 8.72 लाख अचल संपत्तियां हो गई हैं। जेपीसी की रिपोर्ट में इसका विस्तृत रूप से खुलासा किया गया है। संसद में जो नया वक्फ बिल लाया गया है। उसमें काफी बदलाव किए गए हैं। संसद में यह रिपोर्ट पेश हो चुकी है। जल्द ही सरकार इस पर कानून बनाने जा रही है।

बिहार से रेल हादसे की बड़ी साजिश, कटर मशीन से रेलवे ट्रैक को काटने की कोशिश

जमुई। बिहार से रेल हादसे की बड़ी साजिश सामने आई है। कुछ असामाजिक तत्वों ने रेलवे लाइन को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर कटर मशीन से ट्रैक को काटने की कोशिश की है। मामला हावड़ा-नई दिल्ली मुख्य रेल लाइन पर सामने आया है। इस दौरान असामाजिक तत्व ट्रैक को पूरा काट पाने में सफल नहीं होने पर ट्रैक को आधा कटकर छोड़ दिया, जिस पर कई ट्रेनें भी गुजर गई। गनीमत यह रही की कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। दरअसल झाझा-जसीडीह रेलखंड पर असामाजिक तत्वों के द्वारा रेल दुर्घटना की साजिश रची गई है। इस दौरान रानीकुरा गांव के समीप रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इस रेलखंड के अप रेल लाइन के पोल संख्या 371/21 और 371/23 के बीच देर रात ट्रैक को काटने का प्रयास हुआ है। रेलवे ट्रैक पर कटर मशीन से काटे जाने के निशान स्पष्ट दिख रहे है। इस दौरान ट्रैक का करीब 50 प्रतिशत हिस्सा को कटा गया है। जबकि ट्रैक का निचला हिस्सा आपस में जुड़ा हुआ है, और इसी के ऊपर से पूरी रात ट्रेनों का परिचालन होता रहा। टूटी ट्रैक के ऊपर ट्रेनों के परिचालन होने से लगातार खतरे की संभावना बनी रही। आशंका है कि ट्रेन दुर्घटना की साजिश के तहत रेलवे लाइन को काटा गया है। लोगों को जब इसकी जानकारी हुई तब उन्होंने तुरंत इस बारे में रेलवे को सूचित किया। इसके बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचकर उसकी छानबीन में जुट गए हैं। फिलहाल 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैक के ऊपर से ट्रेनों का परिचालन करवाया जा रहा है। जबकि कटे हुए ट्रैक को बदलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में 25 से होगा सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव, तैयारियां शुरू

सीहोर। पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबरेश्वर धाम में इस साल भी रुद्राक्ष महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। कुबेरेश्वर धाम में होने वाले रुद्राक्ष महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। प्रदीप मिश्रा ने बताया कि इस बार रुद्राक्ष महोत्सव का आयोजन सात दिन किया जाएगा और इस दौरान सवा करोड़ से भी ज्यादा अभिमंत्रित रुद्राक्ष बांटे जाएंगे। पूर्व में रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान हुई अव्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए तैयारियां की जा रही हैं। सीहोर जिले में स्थित चितावलिया हेमा के मुरली मनोहर और कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में 25 फरवरी से सात दिन रुद्राक्ष महोत्सव होगा। विठलेश सेवा समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह रुद्राक्ष से निर्मित शिवलिंग का अभिषेक होगा, दोपहर में कथा और रात्रि में सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम होंगे। रुद्राक्ष महोत्सव में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं और इसे ध्यान में रखते हुए इस बार एक महीने पहले से ही रुद्राक्ष महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कथा स्थल पर चार विशाल डोम बनाए जा रहे हैं। जहां लाखों श्रद्धालु एक साथ कथा का श्रवण कर सकेंगे। 20 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में कमरों का निर्माण किया जा रहा है। हजारों सेवादार श्रद्धालुओं की सेवा के लिए तैनात रहेंगे। चाय, नाश्ता, भोजन, पेयजल, शौचालय और वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन दुरुस्त होगा जिला प्रशासन ने समिति के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया।

पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति के खास ऐलान

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात हुई है। मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप से मुलाकात में क्या कुछ निकलकर सामने आया, इसे 10 प्वाइंट में समझा जा सकता हैं।

1.एफ-35 लड़ाकू विमान

डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा के बाद भारत को एफ -35 लड़ाकू विमान की आपूर्ति की घोषणा की।

2.टेक्नोलॉजी ट्रांसफर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारी टीमें एक व्यापार समझौते को पूरा करने पर काम करेंगी, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। हम भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेल और गैस व्यापार को मजबूत करेंगे। ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा।

3.तहव्वुर हुसैन राणा

ट्रंप ने ऐलान किया है कि 26/11 मुंबई हमलों के आतंकी तहव्वुर राणा को भारत को सौंपा जाएगा। भारत और अमेरिका कट्टरपंथी इस्लाम से खतरे से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि राणा पर 2008 के हुए मुंबई हमलों की साजिश रचने के लिए भारतीय अदालतों में मुकदमा चलाया जाएगा।

4.तेल-गैस आपूर्ति

ज्वाइंट प्रेस-कॉन्फ्रेंस में डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि एक नया ऊर्जा समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिका भारत को तेल और गैस का प्राथमिक आपूर्तिकर्ता बन जाएगा। पीएम मोदी और मैं ऊर्जा पर एक समझौते पर पहुंचे हैं जो भारत को तेल और गैस का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनाएगा।

5.बांग्लादेश पर भारत की चलेगी

पीएम मोदी और ट्रंप की ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बांग्लादेश को लेकर भी सवाल पूछा गया। ट्रंप ने बांग्लादेश के सवाल पर कहा कि ये सब मैं मोदी पर छोड़ता हूं। ये वो तय करेंगे कि आगे के या करना है।

6.आतंकवाद पर टफ स्टैंड

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके बाद घोषणा की कि दोनों देश कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद द्वारा उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपने अभूतपूर्व सहयोग को मजबूत करेंगे।

7.खालिस्तान

पीएम मोदी से बातचीत के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खालिस्तान चरमपंथियों का मुद्दा भी सामने आया। भारत हमेशा से ही दूसरे देशों में बैठकर भारत के खिलाफ साजिश की बात कहता रहा है। इसपर ट्रंप ने कहा कि हमें भारत से इस मुद्दे पर अनुरोध मिला है। वो भारत के साथ मिलकर अपराध से लड़ेंगे।

8.अवैध प्रवासी

अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर पीएम मोदी ने कहा कि गैरकानूनी तरीके से जो लोग दूसरे देश में होते हैं, वहां रहने का कानूनी अधिकार नहीं हैं। जो सच्च में भारत का नागरिक होगा और अमेरिका में गैरकानूनी तरीके से रह रहा होगा उसे वापस लिया जाएगा। ह्यूमन ट्रैफिकिंग के इकोसिस्टम को भारत और अमेरिका को हमला करना चाहिए।

9.अदानी मामला

पीएम नरेंद्र मोदी से एक अमेरिकी पत्रकार ने जब गौतम अडानी के मामले को लेकर सवाल पूछा तो मोदी ने जवाब दिया, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारा संस्कृति और दर्शन है 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरा विश्व मेरा परिवार है, हर भारतीय मेरे परिवार का सदस्य है और जब बात ऐसे निजी मामलों की बाती है, तो दो देशों के नेता निजी मामलों पर कोई बात नहीं करेंगे।

10.बाइडेन ने भारत के साथ ठीक नहीं किया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत और बाइडेन प्रशासन के बीच अच्छे रिश्ते थे। उनका मानना है कि बाइडेन प्रशासन ने भारत के साथ सही तरीके से डील नहीं किया। हालांकि उन्होंने अपनी बात को ज्यादा विस्तार में नहीं बताया।

आज अमृतसर लैंड करेगा अमेरिका से अवैध प्रवासीय भारतीयों को ला रहा विमान

-दूसरी फ्लाइट 16 फरवरी रात दस बजे भारत पहुंचेगी

नई दिल्ली।

अमेरिका से फिर अवैध प्रवासीय भारतीयों की टोली भारत आने वाली है। अबकी बार दो जहाजों में भरकर ये अवैध प्रवासी भारत पहुंच रहे हैं। अमेरिका ने डिपोर्ट की प्रक्रिया पूरी कर ली है। अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर जो दो जहाज आ रहे हैं, उनकी तारीख भी सामने आ गई है।

सूत्रों के मुताबिक, अवैध प्रवासियों से भरा एक विमान अमेरिका से 14 फरवरी को उड़ान भरेगा और 15 फरवरी शनिवार को भारत पहुंचेगा। शनिवार को आने वाली फ्लाइट में 119 अवैध प्रवासी शामिल है। वहीं, दूसरी फ्लाइट 16 फरवरी रात दस बजे भारत पहुंचेगी। दूसरी फ्लाइट में कितने अवैध प्रवासी भारतीय हैं, इसकी संख्या अभी सामने नहीं आई है।

सूत्रों ने बताया कि 15 फरवरी को अवैध प्रवासीय भारतीयों से भरा पहला विमान अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा। इसके पहले जो अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर जो अमेरिकी फ्लाइट आई थी, उसमें 104 लोग थे। यह फ्लाइट भी अमृतसर ही लैंड की थी।

विपक्ष ने प्रवासीय भारतीयों के हथकड़ी और बेड़ियों से जकड़ने का आरोप लगाया था। इस पर मोदी सरकार को सफाई देनी पड़ी थी। खुद एस जयशंकर ने संसद में कहा था कि यह प्रक्रिया कोई नई प्रक्रिया नहीं है। पहले भी अमेरिका अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट करता रहा है। उन्होंने साल दर साल डेटा दिखाया था।

अमेरिकी दौरे पर गए पीएम मोदी ने कहा कि अवैध रूप से अमेरिका में रहने वाले अपने नागरिकों को भारत स्वीकार करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर अपनी स्पष्ट राय रखते हुए कहा कि यह केवल भारत का मुद्दा नहीं है। यह एक वैश्विक समस्या है। जो लोग अवैध तरीके से दूसरे देशों में रह रहे हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

ट्रंप का ऑफर, चीन से झड़पों को रुकवा सकता हूं, मिस्त्री ने दिया दो टूक जवाब

हमारे किसी भी पड़ोसी के साथ विवाद में तीसरे का दखल बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली।

भारत ने दोहराया है कि चीन के साथ सीमा विवाद का मुद्दा द्विपक्षीय है। उसमें किसी तीसरे का दखल बर्दाश्त नहीं। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा ऑफर पर दो टूक जवाब दिया है। मिस्त्री शुक्रवार को पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। दरअसल, ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पीएम मोदी से मुलाकात करने के बाद यह ऑफर दिया था।

ट्रंप ने कहा था कि मुझे लगता है कि चीन दुनिया में एक बहुत अहम खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि वे यूक्रेन और रूस के साथ इस युद्ध को खत्म करने में हमारी मदद कर सकता हैं। मैं भारत को देखता हूं, मैं सीमा पर झड़पों को देखता हूं जो काफी क्रूर हैं। अगर मैं मदद कर सकता हूं, तो मुझे मदद करना अच्छा लगेगाज्मुझे उम्मीद है कि चीन, भारत, रूस और अमेरिका, हम सभी साथ मिल कर काम कर सकते हैं। यह बहुत अहम है।

ट्रंप के बयान के तुरंत बाद भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने खुद सामने आकर ट्रंप का यह ऑफर ठुकरा दिया। विदेश सचिव ने कहा कि भारत ऐसे मामलों में हमेशा द्विपक्षीय रुख अपनाता है।

मिस्त्री ने कहा कि हमारे किसी भी पड़ोसी के साथ हमारे जो भी मुद्दे हैं, हमने इन मुद्दों से निपटने के लिए हमेशा द्विपक्षीय दृष्टिकोण अपनाया है। ट्रंप ने पहले भी भारत और चीन के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी।

वह तो भारत और पाकिस्तान के बीच मीडिएटर बनने का शिगूफा भी छेड़ चुके हैं।

मोदी सरकार पर दबाव बनाने महापंचायत में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हजारों किसान हुए शामिल

चंडीगढ़ ।

खनौरी और शंभू बॉर्डर पर किसान बीते एक साल से आंदोलन कर रहे हैं। किसान संगठनों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों की बैठक हुई है। यह मीटिंग किसान आंदोलन 2.0 के एक साल पूरा होने पर आयोजित की गई थी। माना जा रहा है कि मोदी सरकार पर मीटिंग से पहले दबाव बनाने के लिए हजारों किसानों ने बैठक से पहले एकजुट हुए। इस महापंचायत में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हजारों किसानों ने हिस्सा लिया। इस महापंचायत से पहले 11 तारीख को राजस्थान के रतनपुरा और फिर 12 तारीख को खनौरी बॉर्डर पर आयोजन हुआ था। महापंचायत में किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि अब तक आंदोलन में बीते एक साल में 43 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 450 किसान जख्मी हो चुके हैं। इसमें 35 किसान बुरी तरह से घायल हैं। बीते साल किसान आंदोलन के दौरान शुभकरण सिंह की मौत हो गई थी। इस बीच किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने अपने अनशन के 80वें दिन के मौके पर कहा कि मैं अपने संकल्प पर अडिग हूं। सूत्रों का कहना है कि संयुक्त किसान मोर्चा के कुल 14 प्रतिनिधि केंद्र सरकार के साथ मीटिंग में हिस्सा लेने वाले है। इस मीटिंग में एमएसपी की लीगल गारंटी सहित कई मसले उठाए जा सकते हैं। किसान संगठनों ने लंबी लिस्ट तैयार की है। अब देखना होगा कि किन मसलों पर सहमति बनती है। किसान संगठनों का मुख्य जोर एमएसपी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने पर है। एक अहम डिमांड है कि किसानों के सारे कर्ज माफ कर दिए जाएं। इस मांग को लेकर केंद्र सरकार कुछ आंशिक ऐलान कर सकती है। जैसे छोटे किसानों को कर्ज से राहत दे दी जाए।

दिल्ली का सीएम कौन............मिल गया जवाब

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवनिर्वाचित 10 विधायकों से की मुलाकात

नई दिल्ली ।

दिल्ली का अगला सीएम कौन होगा? यह सवाल अभी भी जैस का तस है। पीएम मोदी के अमेरिका से लौटने के बाद इस सवाल का जबाव मिलेगा। विधानसभा चुनाव में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी के भीतर मंथन जारी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नवनिर्वाचित 10 विधायकों से अलग-अलग मुलाकात की, जिसमें आगे की रणनीति पर बातचीत हुई। इन मुलाकातों करने वालों में विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता, अरविंदर सिंह लवली, अजय महावर, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, अनिल शर्मा, डॉ. अनिल गोयल, कपिल मिश्रा और कुलवंत राणा शामिल थे।

मुख्यमंत्री पद के लिए कई नामों पर विचार जारी है। इसमें प्रवेश वर्मा, सतीश उपाध्याय, विजेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट जैसे वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ कुछ महिला नेताओं का नाम भी आ रहा है। प्रवेश वर्मा युवा नेता हैं जो जाट समुदाय से आते हैं। उनकी पकड़ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में भी है। वहीं, सतीश उपाध्याय और विजेंद्र गुप्ता की पार्टी में मजबूत पकड़ मानी जाती है।

मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा अंतिम निर्णय होगा। इस बीच, सोशल मीडिया पर नूपुर शर्मा का नाम भी चर्चा में है, जहां कुछ यूजर्स उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग करते दिख रहे हैं। दिल्ली में 27 साल बाद बीजेपी सत्ता में आई है।

बीजेपी के सूत्रों ने बताया कि 15-16 फरवरी को विधायक दल की बैठक हो सकती है। इसमें विधायक दल के नेता का चयन होगा। चुने गए नेता ही दिल्ली के नए मुख्यमंत्री हो सकते है।

पीएम मोदी ने एलन मस्क के बच्चों को तोहफे में दीं किताबें.....

पीएम मोदी ने मस्क के परिवार से मिलने और विस्तृत चर्चा करने पर खुशी जाहिर की

नई दिल्ली ।

अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत हुआ। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को पहली बार ट्रंप से मिले। इसके पहले अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान पीएम मोदी स्पेस एक्स और टेस्ला जैसी कंपनी के मालिक एलन मस्क और पार्टनर शिवोन जिलिस व तीन बच्चों से भी मिले। पीएम मोदी ने बच्चों को भारतीय साहित्य की कुछ किताबें तोहफे में दी। इन किताबों का नाम जानकर आपकी छाती भी गर्व से चौड़ी होगी। दरअसल, रवींद्रनाथ टैगोर की 'द क्रिसेंट मून', पंडित विष्णु शर्मा की पंचतंत्र और द ग्रेट आरके नारायण कलेक्शन पीएम की ओर से मस्क के बच्चों को गिफ्ट दी गई। प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई तस्वीरों में बच्चे इन किताबों को पढ़ते दिख रहे हैं।

पीएम मोदी ने मस्क के परिवार से मिलने और विस्तृत चर्चा करने पर खुशी जाहिर की। जिलिस मस्क की कंपनी न्यूरालिंक में एक कार्यकारी हैं। उन्होंने साल 2021 में दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था। बाद में उन्होंने एक तीसरे बच्चे का स्वागत किया। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क के कुल 12 बच्चे हैं। मस्क के साथ बैठक को 'बहुत अच्छी' बताते हुए, पीएम मोदी ने स्पेस एक्सप्लोरेशन, आईटी, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन के प्रति भारत के प्रयासों पर चर्चा की. प्रधानमंत्री कार्यालय ने इनोवेशन, स्पेस एक्सप्लोरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबल डेवलपमेंट, उभरता आईटी, एंटरप्रेन्योरशिप और सुशासन जैसे क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच संभावित सहयोग पर जोर दिया। पीएम मोदी ट्रंप से मिलने के अलावा भारतीय-अमेरिकी अरबपति उद्यमी विवेक रामास्वामी से भी मिले। इस दौरान दोनों ने भारत-अमेरिका संबंधों, इनोवेशन, आईटी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

दरोगा की मौत की सूचना मिलते ही मचा चीत्कार, मां हुई बेसुध

बहराइच एजेंसी। थाना क्षेत्र के केला गांव निवासी दरोगा की मंगलवार देर रात तैनाती जनपद रायबरेली में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। सुबह जब मौत की सूचना गांव पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। मां बेसुध हो गई तो वहीं अन्य परिजन चीख उठे। गांव में भी मातमी सन्नाटा दिखा। खबर लिखे जाने तक दरोगा का शव गांव नहीं पहुंचा था।

बौंडी थाना क्षेत्र के केला गांव निवासी चमन सिंह (30) का चयन साल 2019 में दरोगा के पद पर हुआ था और उन्हें पहली तैनाती रायबरेली जिले के थाना खीरो में मिली थी। गांव के लाल के दरोगा बनने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल था और परिजनों ने खूब लड्डू बांटा था। वहीं वर्तमान में चमन सिंह को चौकी प्रभारी बना दिया गया था। मंगलवार की रात कानपुर हाईवे पर दबिश के दौरान हुए हादसे में उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना जैसे ही गांव पहुंची गांव में मातप पसर गया। चमन के दरोगा बनने पर जिन चेहरों पर हंसी के भाव थे, उनक पर गम के आंसू छलक गए।

मां से छिपाए रहे बेटे की मौत की सूचना: दरोगा चमन सिंह की मौत की सूचना परिजनों ने काफी देर तक उनकी मां सरोज सिंह को नहीं दी। मां सरोज की बीमारी के चलते उन्हें नहीं बताया गया कि उनका लाल दुनिया में नहीं रहा, लेकिन घर पर लगातार ग्रामीणों के आने पर उन्हें भनक लग गई और बेटे के मौत की सूचना मिलते ही वह बेसुध हो गईं। परिजनों ने उन्हें संभाला, लेकिन उनकी आंखों से आंसू बहते रहे।

दरोगा के साथ रहती थी पत्नी व एक भाई: दरोगा के फूफा धर्मवीर सिंह ने बताया कि चमन सिंह की पत्नी पूजा सिंह व उनका छोटा भाई हिमांशु रायबरेली में उनके साथ ही रहते थे। चमन सिंह कुल तीन भाई और एक बहन है। चमन सिंह तीनों भाइयों में सबसे बड़े थे और उन पर घर की जिम्मेदारी थी। चमन सिंह की शादी चार साल पूर्व हुई थी और अभी उनके कोई बच्चा नहीं था।

खुलासा: फर्जी दस्तावेजों से ऋण कराकर बैंकों को लगाया तीन करोड़ का चूना, आरोपी को भेजा जेल

अलीगढ़, एजेंसी। फर्जी दस्तावेजों से ऋण कराकर बैंकों से धोखाधड़ी के खेल का क्वार्सी पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपी ने निजी क्षेत्र की हाउसिंग फाइनेंस बैंकों को तीन करोड़ से ज्यादा का चूना लगाया है। उसने फर्जी दस्तावेजों के सहारे लोगों के ऋण कराकर रुपये अपने पास रख लिया। पुलिस ने 11 फरवरी को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वाकये की जानकारी पिछले वर्ष मई में हुई। निजी क्षेत्र की आधार हाउसिंग फाइनेंस बैंक ने अनूपशहर रोड क्वार्सी के जिकरुर्रहमान के नाम से 24 लाख का हाउसिंग ऋण दिया। इसी तरह शुभम फाइनेंस ने 29 लाख का ऋण दिया। ऋण देने के कुछ दिन बाद ही उसकी मासिक किस्त आना बंद हो गया। बैंक स्टाफ ने जिकरुर्रहमान से संपर्क किया तो पहले वह टहलाने लगा।

बाद में जब दबाव बनाया तो उसने सराय सुल्तानी सासनी गेट के अब्दुल कदीर व उसके साथी मो. जाहिद के नाम बताए। कहा कि ऋण दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कदीर ने कराए थे। इससे पहले एक ऋण 29 लाख रुपये का वह करा चुका है। इस पर दोनों बैंकों ने छानबीन शुरू की। जिकरुर्रहमान की ओर से इन दोनों पर क्वार्सी में मुकदमा दर्ज कराया। मुकदमे की कई माह तक जांच चली। जिसके आधार पर फर्जीवाड़े के साक्ष्य एकत्रित किए। इसी आधार पर मंगलवार को कदीर को जेल भेजा गया।

जांच में यह हुआ खुलासा: पुलिस की जांच में उजागर हुआ कि कदीर पूर्व में खुद बैंकों से ऋण कराने की एजेंसी चलाता था। वह इसके लिए किसी भी प्रॉपर्टी के दो तीन दशक से अधिक पुराने फर्जी दस्तावेज बनाता था, जिसमें उसका स्वामी अपने परिचित ग्राहक को बना देता था। निजी क्षेत्र की बैंक जब जांच करती तो पुराना रिकॉर्ड ऑनलाइन न होने के कारण उसी व्यक्ति को प्रॉपर्टी का स्वामी मान लेती। कदीर का ग्राहक से वायदा होता था कि वह ऋण की आधी या उससे अधिक रकम लेगा और किस्त भी ग्राहक को नहीं देनी पड़ेगी। अब तक जांच में उसने आधार, शुभम व एक अन्य बैंक के करीब 20 ग्राहकों को तीन करोड़ से अधिक ऋण कराना उजागर हुआ है। अधिकांश ग्राहक मुस्लिम आबादी वाले हैं।

आठ परीक्षा केंद्रों पर 2,475 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

कन्नौज/तालग्राम, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा संचालित मदरसा बोर्ड की परीक्षा में इस बार मुंशी मौलवी आमिल के 2475 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए तालग्राम बृज भूषण हजेला भारतीय इंटर समेत जिले में आठ केंद्र बनाए गए हैं। पहली बार एक विषय के छह परीक्षार्थी भी परीक्षा देगें। मदरसा बोर्ड की परीक्षा में पिछले वर्ष मुंशी, मौलवी, आलिम, फाजिल व कामिल की परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी, लेकिन इस बार मदरसों में फाजिल व कामिल की पढ़ाई और परीक्षा पर रोक लगी है। अब मदरसों में मुंशी, मौलवी, आलिम के ही छात्र पढ़ाई करेंगे और इनकी परीक्षा मदरसा बोर्ड कराएगा। इस कारण पिछली बार की तुलना में इस बार परीक्षार्थियों की संख्या भी काफी कम है। मुंशी, मौलवी और आलिम के कुल 2475 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे। वहीं नए नियम के हिसाब से छह परीक्षार्थी एक विशेष की भी परीक्षा देगें। परीक्षा की समय सारिणी आने के बाद से जिला अल्पसंख्यक विभाग परीक्षा की तैयारियों में जुट गया था। तालग्राम परीक्षा केंद्र सह प्रभारी आफताब इदरीसी ने बताया कि जनपद में आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

बोले शंकराचार्य- धर्म और देश को समान भाव से देखतें है पीएम मोदी- सीएम योगी

लखनऊ, एजेंसी। जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती ने कहा कि हमारे लिए धर्म और देश दोनों दो आंखें होनी चाहिए क्योंकि दोनों का उद्देश्य समाज राष्ट्र और विश्व का कल्याण है। धर्म और देश दोनों पर सामान चिंतन से ही श्रेया प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे नेता चाहिए जो देश और धर्म दोनों की भलाई के लिए कार्य करें और इसे अपना कर्तव्य समझे।

इस कसौटी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों ही धर्म और देश को समान भाव से देखते हैं। दोनों की श्रद्धा धर्म और देश के प्रति देखते ही बनती है। शंकराचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश की भलाई के लिए लगातार प्रयत्नशील रहते हैं।

जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती सन्निधानम विजय यात्रा (11 से 13 फरवरी) के दूसरे दिन बुधवार शाम गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में वेदपाठी विद्यार्थियों और अध्यापकों को शंकर वचन (आशीर्वचन) दे रहे थे। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ की भव्य व्यवस्था से दुनिया को सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब सनातन आस्था वाले सन्यासी मुख्यमंत्री बनते हैं तो ऐसा ही व्यापक परिवर्तन देखने को मिलता है, जैसा योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि न केवल प्रयागराज महाकुंभ बल्कि काशी और अयोध्या में भी भव्य व्यवस्था की गई है। हर जगह भक्तों का धर्म के प्रति उद्घोष देखकर हृदय आनंदित हो रहा है। उन्होंने कहा, महाकुंभ में इतनी बड़ी व्यवस्था की है, जिसकी प्रशंसा देश और विदेश के लोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ इसलिए नहीं कह रहे कि उन्हें महाकुंभ में अच्छी सुविधा प्राप्त हुई, बल्कि जो भी भक्त या श्रद्धालु उनसे मिलने आए सबकी यही राय है। शंकराचार्य ने आशीर्वाद दिया और ईश्वर से यह भी प्रार्थना की कि योगी आदित्यनाथ को उनके सुव्यवस्थित शासन से निरंतर विशिष्ट स्थान प्राप्त होता रहे।

बकवास करने वालों से सावधान रहने की आवश्यकता

जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती ने कहा कि देश में कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें कुछ प्रतिभा तो है लेकिन जब उनकी प्रशंसा अधिक हो जाती है तो उन्हें लगने लगता है कि वह जो भी कहेंगे तो लोग उसे सुनते रहेंगे। ऐसे लोग उन विषयों पर भी कुछ न कुछ बकवास करने लगते हैं, जिनका उनसे कोई संबंध नहीं है। ऐसे लोगों के बकवास से सावधान रहना चाहिए शंकराचार्य जी ने कहा कि एक अंधा व्यक्ति बाकी अंधे व्यक्तियों को मार्ग दिखाएं यह संभव नहीं है।

अनादि काल से आचरण में रहने वाला धर्म है सनातन

सनातन धर्म के मर्म को समझाते हुए जगतगुरु शंकराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म अनादि काल से आचरण में रहने वाला धर्म है इसका आरंभ नहीं है और अंत भी नहीं है। कुछ लोग कहते हैं कि इसका अंत हो सकता है पर इस पर जवाब देने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि, भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में इसे स्पष्ट कर दिया है कि जब-जब धर्म पर संकट आएगा तब तब ईश्वर अवतार लेकर इसकी रक्षा करेंगे। शंकराचार्य ने कहा कि अलग-अलग कालखंड में संकट की परिस्थितियों के अनुरूप ही ईश्वर के अवतार भी हुए हैं। मत्स्य अवतार भिन्न है तो नृसिंह, परशुराम, श्रीराम और श्रीकृष्ण अवतार भिन्न-भिन्न। उन्होंने कहा कि संकट की परिस्थितियों के अनुसार ही हमें भी उसी के अनुरूप धर्म की रक्षा के लिए तैयार होना होगा। शंकराचार्य ने कहा कि कई लोग यह प्रश्न उठते हैं कि आधुनिक समय में धर्म की क्या आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में आधुनिकता बढ़ी है, इस पर संदेह नहीं। सुविधाओं के होने के बावजूद व्यक्ति की सुख प्राप्त करने की इच्छा पूरी नहीं हो पा रही है इसका कारण यह है कि लोग धर्म का आचरण नहीं कर पा रहे। सुख प्राप्त करने के लिए धर्म का आचरण करना होगा और दुख दूर करने के लिए धर्म का मार्ग छोड़ना पड़ेगा।

धर्म से प्राप्त संस्कार ही बनाते हैं हर कार्य करने में सक्षम

उन्होंने कहा कि धर्म से प्राप्त संस्कार ही हमें हर कार्य करने में सक्षम और लौकिक तथा आध्यात्मिक सुख प्राप्त करने के योग्य बनाते हैं। शंकराचार्य ने सीख दी कि जिस प्रकार हम बच्चों के बाल्यकाल से लेकर उनके युवा अवस्था तक तमाम कार्यों की गणना करते हैं, उसी प्रकार उनके धर्म सम्मत आचरण और आध्यात्मिक ज्ञान को लेकर भी कार्ययोजना बनाकर उसे पूरा करें। शंकर वचन से पूर्व शंकराचार्य ने श्रीगोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के वेदपाठी छात्रों और अध्यापकों को आशीर्वाद प्रसाद स्वरूप श्री आद्य शंकराचार्य जी की जीवन कथा व उपदेश की पुस्तिका, उनका प्रतीक विग्रह व वैदिक अंगवस्त्र भेंट किया।

कार्यक्रम की समाप्ति पर उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अंग वस्त्र और श्रृंगेरी पीठ से लाई गई स्मृतिका (मां शारदा और आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा) व कलश भेंट किया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, विधायक राजेश त्रिपाठी, महेंद्र पाल सिंह, प्रदीप शुक्ला, डॉ विमलेश पासवान सहित कई जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद और अनेकानेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

एसएनके पान मसाला समूह और सप्लायरों पर आयकर विभाग का देशव्यापी छापा

कानपुर, एजेंसी। कर चोरी की आशंका में आयकर विभाग ने बुधवार को एसएनके ब्रांड का पान मसाला बनाने वाले समूह और उनके सहयोगियों पर देशव्यापी छापा मारा। उत्तरप्रदेश, दिल्ली, बंगलूरू, मुंबई, गोवा, दमन और दीव स्थित 55 प्रतिष्ठानों पर एक साथ कार्रवाई की गई। छह राज्यों में जारी जांच में 250 से ज्यादा अधिकारी शामिल हैं। कानपुर, बरेली, झांसी, ललितपुर और कन्नौज स्थित इत्र, तंबाकू, सुपाड़ी कारोबारी और ट्रांसपोर्टर भी जांच की जद में हैं। देर रात टीमें जांच-पड़ताल करती रहीं। बड़े पैमाने पर दस्तावेजों को जब्त किया गया है, जो बड़ी कर चोरी की ओर इशारा कर रहे हैं।

शहर में आयकर विभाग की टीमों ने सुबह सात बजे से कार्रवाई शुरू की। टीमें अलग-अलग राज्यों के नंबरों वाली गाड़ियों के साथ जांच करने पहुंचीं, ताकि किसी को कोई शक न हो। विभाग की अलग-अलग टीमों ने एसएनके पान मसाला ब्रांड के मालिक नवीन कुरेले और प्रवीण कुरेले के स्वरूपनगर स्थित आवास, पनकी-रनियां स्थित फैक्टरी, गोदाम के अलावा मकरावटगंज स्थित कत्था कारोबारी, किदवईनगर, गोविंदनगर, नयागंज के जैन, बेनी ट्रेडर्स और सुपाड़ी कारोबारी आशीष, एक ट्रांसपोर्टर के प्रतिष्ठान समेत 15 जगहों पर कार्रवाई की। दोपहर में दिल्ली से फॉरेंसिक टीम के सदस्य स्वरूपनगर स्थित कुरेले हाउस पहुंचे। साथ ही कन्नौज के इत्र कारोबारी पंडित चन्द्रवली एंड संस के ठिकानों पर कार्रवाई की। इत्र की फैक्टरी, कोल्ड स्टोरेज और अन्य प्रतिष्ठानों पर छापा मारा गया। टीमों ने बड़े पैमाने पर मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट समेत अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। फॉरेंसिक टीम ने फोन और लैपटॉप का डाटा क्लोन किया।

मददगार बनी खाकी: भटक रहे फ्रांसीसी नागरिकों को पुलिस ने कराया नाश्ता, बस से वाराणसी किया रवाना

कानपुर , एजेंसी। कमिश्नरी पुलिस ने मंगलवार की रात अच्छी पुलिसिंग का उदाहरण पेश किया। रामादेवी चौराहे पर भटक रहे फ्रांस के दो नागरिकों को नाश्ता कराया। थाने में पांच घंटे विश्राम कराने के बाद वाराणसी की बस में बैठाकर रवाना किया। फ्रांस की नागरिक क्लैरे रोलेण्ड अपने पुरुष मित्र पेट्रिक के साथ भारत घूमने के लिए आई हैं। मंगलवार की रात को वे लोग झकरकटी बस अड्डे से वाराणसी जाने के लिए बस में सवार हुए। रामादेवी चौराहे पर बस के रुकने पर वे कुछ खाने-पीने के लिए नीचे उतरे। इसी दौरान बस चली गई और वे वहीं पर छूट गए। वे दोनों वहीं पर भटक रहे थे। भाषा की दिक्कत के चलते वो किसी से बात भी नहीं कर पा रहे थे।

इस दौरान चकेरी थाने में तैनात एसआई रविशंकर और एसआई सुशील कुमार ने उन्हें परेशान देखा तो पास जाकर बात की। दोनों दोस्तों को थाने लाकर जलपान कराया। रात में कोई वाहन न मिलने पर पांच घंटे थाने में आराम कराया। बुधवार की सुबह दोनों को वाराणसी जाने वाली बस में बैठाकर रवाना किया। दोनों विदेशी नागरिकों ने पुलिस के इस कार्य की प्रशंसा की।

रिंग रोड पर भयानक हादसा..., केबिन में फंसा ट्रक ड्राइवर, मौत; वाहन काटकर निकाली गई लाश

वाराणसी , एजेंसी। लोहता थाना क्षेत्र के खेवशीपुर गांव के सामने रिंगरोड फेज टू पर गुरुवार की सुबह सरिया लादकर जा रही ट्रक में पिछे से बालू लदी ट्रक ने टक्कर मार दिया। जिसमें पिछे वाली ट्रक के ड्राइवर की मौत हो गई। सरिया लादकर एक ट्रक राजातालाब की तरफ से हरहुआ की तरफ जा रही थी। उसके पिछे दूसरी ट्रक बालू लादकर जा रही थी। खेवशीपुर गांव के सामने जब ट्रक पहुंची तो पिछे चल रही ट्रक ने आगे वाली ट्रक में टक्कर मार दिया। ट्रक्टर इतनी तेज थी कि ट्रक का केबिन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया, जिसमें ड्राइवर फंसा हुआ था। पुलिस उसे निकलवा लिया। ताकी उसकी शिनाख्त हो पाए।

सट्टा किंग श्याम बोहरा हुआ बरी, पुलिस की वो कहानी...जो कोर्ट में नहीं हो सकी साबित

आगरा , एजेंसी। धोखाधड़ी, हत्या का प्रयास, शासकीय कार्य में बाधा व अन्य धाराओं के केस में छत्ता पुलिस अदालत में सटोरिया श्याम बोहरा के खिलाफ ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सकी। एडीजे-10 काशी नाथ ने ताजगंज के पार्श्वनाथ पंचवटी कॉलोनी निवासी श्याम बोहरा को साक्ष्य के अभाव में बरी करने के आदेश दे दिए। थाना छत्ता में जुलाई 2018 को थानाध्यक्ष सुभाष सिंह कठेरिया ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मैच और विश्व कप फुटबाल के मैचों में मोबाइल के माध्यम से बड़े स्तर पर लोगों को सट्टा खिलवाता है। सूचना मिली कि वाटर वर्क्स की तरफ से श्याम बोहरा आने वाला है। वह यमुना किनारा रोड पर पुलिस टीम के साथ पहुंच गए। आरोपी श्याम बोहरा को रोकने की कोशिश की तो उसने जान से मारने की नीयत से पुलिसकर्मियों को गाड़ी से कुचलने की कोशिश की। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके कब्जे से मोबाइल, गाड़ी और नकदी बरामद की थी। इसके बाद पुलिस ने धोखाधड़ी, हत्या का प्रयास ,शासकीय कार्य में बाधा व अन्य आरोपों में श्याम बोहरा को जेल भेजा था।

श्याम बोहरा की गिरफ्तारी के बाद बनी थी सूची: श्याम बोहरा को पुलिस ने सट्टा माफिया बताया था। शहरभर में अभियान चलाया गया था। तत्कालीन एसएसपी अमित पाठक ने खुद कार्रवाई की समीक्षा की थी। मगर, विवेचक की घोर लापरवाही से वह बरी हो गया। 7 जुलाई 2018 को छत्ता पुलिस ने श्याम बोहरा को चेकिंग में यमुना किनारा मार्ग पर पकड़ा था। आरोप था कि उसने पुलिस पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। इससे पूर्व उसे नोएडा में मैच पर सट्टा लगाते एसटीएफ ने एक ऑलीशान सोसाइटी के फ्लैट से पकड़ा था। छत्ता थाने में दर्ज मुकदमे में भी श्याम बोहरा को सटोरिया बताया था।

फर्जी आधार कार्ड पर सिम लेने का आरोप: श्याम बोहरा पर फर्जी आधार कार्ड पर सिम लेने का आरोप लगा था। मगर, थाना छत्ता पुलिस अहम साक्ष्य नहीं जुटा सकी। उस समय उसके मोबाइल से नंबर निकालकर दर्जनों लोगों की सूची जारी की थी। कार्रवाई का भय दिखाकर पुलिस लोगों को बयान के लिए बुलाती थी।

भाई-भाभी और चार मासूम भतीजों के कत्ल का इल्जाम...12 साल की कैद, जेल से रिहा हुए गंभीर ने बयां किया दर्द

आगरा , एजेंसी। आगरा के अछनेरा थाना क्षेत्र के गांव तुरकिया में 12 साल पहले हुए सामूहिक हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट से बरी होने वाले गंभीर सिंह को केंद्रीय कारागार से बुधवार को रिहाई मिल गई। बाहर आते ही उसकी आंखों से आंसू बहने लगे। उसका कहना था कि जमीन हड़पने के लिए कुछ लोगों ने फंसाया। भाई और उसके परिवार का कत्ल किया गया।

गंभीर सिंह ने बताया कि अपनों की मौत का दर्द किसे नहीं होता है। वो जेल में जब पहुंच गया तो अपनों की बहुत याद आई। वो भाई-भाभी और भतीजों के लिए इतना रोया कि आंखों के आंसू भी सूख गए। अब उसे पुरानी जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। गांव में जान का खतरा है। सुरक्षा की मांग करेगा।

नौ मई 2012 को गांव तुरकिया निवासी सत्यभान, उनकी पत्नी पुष्पा सहित चार बच्चों की सामूहिक हत्या की गई थी। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा किया। सत्यभान के भाई गंभीर सिंह सहित बहन गायत्री और दोस्त को जेल भेजा था। स्थानीय अदालत ने गंभीर सिंह को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने भी सजा को बरकरार रखा था। पुलिस की विवेचना में लापरवाही और ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर पाने के कारण सर्वोच्च न्यायालय ने दो सप्ताह पहले उसे बरी कर दिया था। गंभीर केंद्रीय कारागार में निरुद्ध था। सेंट्रल जेल के जेलर दीपांकर भारती ने बताया कि मंगलवार देर रात बंदी गंभीर की रिहाई का आदेश आया था। बुधवार सुबह 9 बजे उन्हें रिहा कर दिया गया।

एक दिन पहले गांव से चला आया था: जेल से बाहर आते ही गंभीर सिंह ने एक ही बात कही कि उसे सामूहिक हत्याकांड में गलत फंसाया गया। वह जयपुर के पास निबाई में एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। भाई सत्यभान ने एक दिन कॉल करके कहा कि गांव में झगड़ा हो गया है। जल्दी गांव पहुंच जाओ। वह आ गया। भाई ने उसे गांव में बुलाया।

कन्नौज में उद्योगपति के यहां 26 स्थानों पर इनकम टैक्स का एक साथ छापा

कन्नौज , एजेंसी। शहर के प्रमुख उद्योगपति के यहां बुधवार सुबह आठ बजे इनकम टैक्स की छह टीमों ने एक साथ छापेमारी की। इत्र कारखानों, होटलों और शीतगृहों सहित 26 स्थानों पर छापा मारकर दस्तावेज खंगाले गए। देर शाम तक आयकर विभाग की सभी टीमें चहारदीवारी के अंदर छानबीन में जुटी हुई थीं। उद्योगपति की फर्मों से करोड़ों रुपये के टैक्स चोरी की संभावना व्यक्त की जा रही है। शहर के मोहल्ला अशोक नगर स्थित पं. चंद्रबली एंड संस के यहां नोएडा से आए उप आयकर निदेशक (अन्वेषण) पलाश कटियार की अगुवाई में इनकम टैक्स विभाग की छह टीमों ने छापा मारा। नोएडा, मैनपुरी सहित कई जिलों से आए इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने उनके आवास पर बने इत्र कारखाने की तलाशी ली। इसके बाद दफ्तर, होटल आशा, आशा गार्डन एवं 15 शीतगृहों पर अन्य टीमों ने छापा मारा। आयकर विभाग के अधिकारियों ने सभी स्थानों से दस्तावेज खंगाले और सीसीटीवी फुटेज भी देखे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला वृक्षारोपण, जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक संपन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स
गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला वृक्षारोपण, जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विभागों के द्वारा अभी तक वृक्षों की जियो टेगिंग शत प्रतिशत नहीं कराई गई है, वह जल्द ही शत प्रतिशत जियो टेगिंग कराना सुनिश्चित करें। साथ ही कहा कि आगामी वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर सभी विभागों द्वारा स्थलों का चिन्हांकन करते हुए आगामी बैठक में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा कि सभी विभाग वित्तीय वर्ष 2024-25 कराये गये वृक्षारोपण सत्यापन रिपोर्ट यथा शीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा वर्ष 2025-26 में वृक्षारोपण हेतु भूमि चिन्हाकन की सूचना भी उपलब्ध कराये। जिलाधिकारी द्वारा वृक्षारोपण को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए निर्देश दिए कि शासन द्वारा प्राप्त निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अपनी-अपनी तैयारियों को युद्ध स्तर पर पूर्ण करते हुए अंतिम रूप प्रदान करेंगे। जिलाधिकारी ने बैठक की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उनके द्वारा लक्ष्य के अनुरूप पौधों की डिमांड उपलब्ध कराते हुये पौधे का उठान ससमय किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

जिलाधिकारी ने प्रभागीय वन अधिकारी गौतम बुद्ध नगर को निर्देशित किया की वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए सेक्टर अधिकारियों तथा जोनल अधिकारियों की तैनाती कर दी जाए साथ ही जनपद में अति विशेष जनप्रतिनिधियों तथा नामित नोडल अधिकारियों के लिए चयनित वृक्षारोपण स्थलों का विवरण भी निर्धारित प्रारूप पर समय रहते उपलब्ध करा दिया जाए। जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि आयोजित होने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रम को लेकर जनपद में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराया जाए और जनपद की औद्योगिक इकाई, आरडब्लूए, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा स्कूलों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए, इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बना सकें।

जिलाधिकारी ने पर्यावरण समिति की बैठक की समीक्षा करते हुए कहा कि जनपद में डंपर/ट्रैक्टर ट्राली में ओवरलोडिंग एवं बिना ढके सामग्री पर रोक लगाई जाए, इसके लिए पुलिस, परिवहन एवं खनन विभाग के अधिकारीगण संयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनपद में कहीं पर भी कूड़ा करकट जलता पाया जाए तो संबंधित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराते हुए दंडात्मक कार्रवाई की जाए। डस्ट की रोकथाम के लिए नियमित स्प्रिंकल द्वारा पानी का छिड़काव तथा मैकेनिकल स्वीपिंग द्वारा रोड की साफ सफाई नियमित कराई जाए। जिलाधिकारी ने प्राधिकरण के अधिकारियों से कहा कि वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए कारगर उपाय किए जाएं व जनपद में अभियान चलाकर एनजीटी एवं प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाए और जहां पर भी एनजीटी के नियमों का उल्लंघन होता पाया जाए वहां पर जुमार्ना लगाते हुए दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दए कि ठोस अपशिष्ट को इकट्ठा करने हेतु डंपिंग ग्राउंड तथा सी एण्ड डी वेस्ट एवं लिगसी वेस्ट को चिन्हित कर निस्तारण करने के कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

चोरी करने वाले चार शातिर बदमाश गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 27 लाख रुपये की कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी बरामद की है।पकड़े गए आरोपियों की पहचान अकबर पुत्र वकील, मोमीन पुत्र शौकीन, अमन पुत्र यामीन और सलमान पुत्र रियाजुल के रूप में हुई है। ये गिरोह पिछले कई महीनों से क्षेत्र में सक्रिय था और कई वारदातों को अंजाम दे चुका था। इस गिरोह ने जनवरी 2024 से लेकर जनवरी 2025 तक चिपियाना बुजुर्ग, ब्रजवासीपुरम कॉलोनी, पुराना हैबतपुर और 14जी एवेन्यू समेत कई इलाकों में चोरी की वारदातें की थीं।
डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी का कहना है कि कई महीने से बिसरख कोतवाली क्षेत्र में बंद घरों में चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया था। शुक्रवार को सर्विलांस और लोकल इंटेलीजेंस के इनपुट के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सलमान और अमन दिन में कबाड़ी की फेरी लगाते थे। उसी दौरान बंद पड़े मकान की रेकी करते थे, जबकि अकबर घरों में पुताई करता था। उसी दौरान बंद मकान की रेकी करता था। मोमीन फेरी लगाकर जैकेट बेचता था और बंद मकान चिह्नित करता था। आरोपी रेकी के बाद रात के समय घर के ताले तोड़कर चोरी को अंजाम देते थे। सामान बोरी और बैग में भरकर फरार हो जाते थे।

तीन साल में कर चुके हैं 10 वारदात

पुलिस ने बताया कि यह गिरोह चार माह से सक्रिय था। आरोपी तीन साल में 10 से अधिक घरों में वारदात कर चुके हैं। अबतक पांच घरों से चोरी की बात स्वीकार की है। पिछले साल 29 जनवरी को खाटू श्याम कॉलोनी चिपियान बुजुर्ग में तीन बंद मकान में चोरी की थी। 23 नवंबर को ब्रजवासीपुरम कॉलोनी में वारदात की थी। पांच नवंबर को शिवम एन्क्लेव पुराना हैबतपुर में बंद मकान से आभूषण और रुपये चुराए थे। आठ जनवरी को एक महिला के हाथ के कंगन व कुंडल ठग लिए थे। एक जनवरी को 14 एवेन्यू में एक फ्लैट के अंदर से सोने के आभूषण चोरी किए गए थे। आरोपी चोरी के गहनों को सुनार व राह चलते लोगों को जरूरत की बात कहकर बेच देते थे। गहनों को खरीदने वाले लोगों की भी तलाश की जा रही है। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

लाखों के गहने बरामद

नथ, टीका, हार, कंठी, दो झुमकी, तीन मंगलसूत्र, 10 टॉप्स, चार कुंडल, कान की दो लड़ी, दो चेन, आठ अंगूठी, चार चूड़ी, नाक की दो लौंग बरामद हुए हैं, जिनका वजन लगभग 250 ग्राम है। अनुमानित कीमत लगभग 23 लाख है। वहीं चार किलो चांदी का सामान जैसे 10 सिक्के, दो कंठी माला, मंगलसूत्र, 10 पाजेब, तीन ब्रेसलेट, दो तगड़ी, 21 पायल, चार कंगन, 124 बिछुवे, सात चेन, सात अंगूठी, दो बिछुआ बरामद हुआ है।

किरायेदारी कानून का मजाक उड़ा रहे अधिकारी,विधायक से नोवरा ने की शिकायत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। यहाँ नॉएडा विधायक श्री पंकज सिंह से मिल नॉएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगरीय परिसर किरायेदार विनियम अधिनियम 2021 का अधिकारीयों द्वारा मजाक उड़ाने की शिकायत की ,संस्था के अध्यक्ष श्री रंजन तोमर ने संवाददाताओं से कहा की नगरीय परिसर किरायेदार विनियम अधिनियम 2021 के पारित होने के बाद शहर में मकान मालिक किरायदारों के बीच समस्याओं का निस्तारण जल्द होने की उम्मीद जगी थी , इसके उलट रिकवरी में जाने के बाद डिक्री पाने वाले को दर दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं , जहाँ हर केस करने वाले को कोर्ट फीस देनी पड़ती है और इसके आलावा रिकवरी में सरकार को राजस्व मिलने का प्रावधान भी है , इसके बाद भी न्याय की लड़ाई लड़ने वाला खाली हाथ हो गया है और कब्जे करने वाले पर कार्यवाही शून्य है। कई केसों में वादी को सिर्फ रिकवरी हेतु उच्च न्यायालय तक जाना पड़ रहा है और फिर भी कोई कार्यवाही तहसील दार (दादरी) विशेषकर नहीं की जा रही है। नॉएडा के केसों की रिकवरी हेतु खासकर तहसीलदार ,दादरी द्वारा लगातार ढिलाई की शिकायतें संस्था को प्राप्त हो रही हैं , गौरतलब है की यह शिकायतें ग्रामीणों से प्राप्त हो रही हैं जो सरकार पर विश्वास करके किरायेदारी कानून के जरिये न्याय पाने हेतु एडीएम न्यायालय गए , इससे ग्रामीणों में बहुत रोष है। तहसीलदार द्वारा न केवल रिकवरी में कानूनी रूप से आवश्यक कुड़की एवं गिरफ़्तारी जैसे हथियारों को इस्तेमाल न करने के आरोप

ग्रामीणों ने लगाए हैं , बल्कि कुछ ग्रामीणों ने तो यहाँ तक कहा है की तहसीलदार के अधीनस्त अधिकारी पैसे लेकर रिकवरी होने वाले पैसे की जानकारी पहले ही कब्जेदार को दे देते हैं , जिससे कानून का मजाक बनकर रह गया है। ऐसे में विधायक से अनुरोध किया गया है की सरकार की साख पर बट्टा लगाने वाले , उसकी छवि खराब करने की चेष्टा करने वाले और ग्रामीणों और नगर वासियों को परेशान करने वाले ऐसे अधिकारी को सख्त से सख्त आदेश दिए जाएँ ताकि जनता का विश्वास सरकार और कानून पर बना रहे। और सबसे पहले रिकवरी के केसों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के आदेश भी पारित किये जाने चाहिए। इस बाबत श्री पंकज सिंह ने कहा की वह जल्द इस बात को जिलाधिकारी के सामने उठाएंगे और आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी करेंगे , इस दौरान संस्था के उपाध्यक्ष श्री अजय चौहान और महासचिव श्री पुनीत राणा ने विभिन्न गाँवों के अन्य मुद्दों पर भी विधायक के साथ चर्चा की।

युवा शक्ति संगठन द्वारा पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करने हेतु युवा शक्ति संगठन ने विभिन्न स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए।युवा शक्ति संगठन ने गौतम बुद्ध नगर के कई स्थानों पर पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्सीलेंट एजुकेशनल हब, सदरपुर में बच्चों ने शहीदों की याद में कैंडल मार्च निकाला, जिससे देश में सैनिकों के महत्व को उजागर किया गया। कैंडल जलाकर उनको श्रद्धांजलि दी गई। फ्यूचर चैंप एथलेटिक अकादमी के बच्चों ने पार्क में जाकर लोगों को आज के काले दिवस की ऐतिहासिक महत्ता और उसके संदर्भ में जानकारी दी। युवा शक्ति संगठन ने देश के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए युवाओं से राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने की शपथ ली। यह कार्यक्रम देशभक्ति और युवाओं में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। युवा शक्ति संगठन ने इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया कि देश की सुरक्षा और स्वाभिमान बनाए रखने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज के कार्यक्रम मे गुप्ता, सचिन दुर्गा प्रसाद दुबे, पिंटू सैनी, आलोक चौहान, संदीप यादव, अभय तिवारी के साथ अन्य छात्र छात्राएं एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई/आइ .जी .आर .एस . पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के संबंध में जिला अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुयी सम्पन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्ध नगर : उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप एवं उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी आइ.जी.आर.एस. पोर्टल को लेकर आज जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन-जिन विभागों के आईजीआरएस पोर्टल पर जन सामान्य के शिकायती प्रकरण लंबित है, उनके संबंध में तत्काल गुणवत्तापूर्ण शत प्रतिशत निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा सभी के द्वारा समय से अपने-अपने कार्यालय में उपस्थित होकर जनसामान्य की समस्याओं का अनुश्रवण किया जाए। जनसामान्य के द्वारा जो भी समस्या उनके संज्ञान में आये, तत्काल कार्यवाही करते हुये उनकी समस्यओं का निस्तारण ससमय सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी कार्यालय अध्यक्ष स्वयं भी अपने कार्यालयों से निस्तारित की गई शिकायतों का भौतिक सत्यापन जरूर कर ले। आइ.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण करते समय उसकी गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए यदि शिकायतकर्ता द्वारा मांगी गई शिकायत पर संतोषजनक कार्रवाई न होने पर संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी।
जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आइजीआरएस पोर्टल पर जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही है उसका निस्तारण गुणवत्ता पूर्वक किया जाए। शिकायत के निस्तारण में शिथिलता न दिखाएं, शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर निस्तारण की गई शिकायत की शत प्रतिशत गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त करें।
जिलाधिकारी ने आइ.जी.आर.एस. पोर्टल पर खराब फीडबैक प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता कर निस्तारण की गई शिकायत की शत प्रतिशत गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग के अधिकारी के द्वारा आइजीआरएस पोर्टल के प्रकरणों के निस्तारण में शिथिलता पाई गई तो उसे बहुत ही गंभीरता के साथ लेकर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

आबादी भूखंडों के लिए 4000 से अधिक किसानों की पात्रता तय

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा : आबादी भूखंडों का लाभ देने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 60 गांवों में 4000 से अधिक किसानों की पात्रता तय कर ली है। जल्द ही सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। उम्मीद है कि इस साल सभी पात्र किसानों को भूखंड आवंटित कर दिए जाएंगे। इसके लिए जमीन की तलाश की जा रही है। वहींए पूर्व में जिन किसानों की पात्रता तय की गई थी, उन्हें क्रमवार भूखंड आवंटित किए जा रहे हैं। जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को आबादी भूखंड आवंटित करने के लिए पात्रता तय करने का काम पिछले लगभग चार सालों से बंद पड़ा था। शासन के दिशा निर्देश पर अब इसमें तेजी आ गई है। अपनी मांगों को लेकर जिले के किसानों ने बड़े स्तर पर आंदोलन किया था। इस पर शासन ने संज्ञान लिया है। प्राधिकरण अधिकारी मुताबिक, 60 गांवों में कैंप लगाकर 4000 से अधिक किसानों की पात्रता तय कर ली गई है। पात्रता सूची का प्रकाशन कर आपत्ति मांगी जाएगी। प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद नियोजन विभाग को किसानों की सूची भेज दी जाएगी। बता दें कि विकास परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण के एवज में किसानों को 6 फीसदी आबादी

भूखंड देने का प्रावधान है। जिस पर किसान मकान बनाने के साथ 50 फीसदी हिस्से पर व्यावसायिक गतिविधियां भी कर सकते हैं। अधिकारी के मुताबिक जिन किसानों को आबादी के भूखंड देने की पात्रता तय की गई है, उनके लिए जमीन की तलाश भी शुरू कर दी गई है। गांव के समीप ही भूखंड दिए जाएंगे। भूलेख विभाग के अधिकारी इस काम में जुट गए है। गांव के समीप जमीन उपलब्ध न होने पर दूसरे गांव में भी भूखंड लगाए जा सकते हैं।
प्राधिकरण का भूलेख विभाग निरीक्षण करता है कि किसान की कितनी जमीन ली गई है और उसके एवज में कितने मीटर का आबादी भूखंड मिलना है। फिर नियोजन विभाग में सूची जाती है। जमीन की उपलब्धता के आधार पर भूखंड लगाया जाता है। कब्जा दिलाने का काम परियोजना विभाग करता है। प्राधिकरण में जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को 6 फीसदी आबादी भूखंड देने का प्रावधान है। इसके लिए प्राधिकरण के परियोजना विभाग द्वारा पात्र किसानों की सूची तैयार की जाती है। उसके बाद नियोजन विभाग द्वारा भूखंड लगाए जाते हैं।
नियमानुसार आबादी भूखंड आवंटित करने के लिए 60 गांवों के किसानों की पात्रता तय करने का काम पूरा हो गया है। जल्द ही सूची कर प्रकाशन कर दिया जाएगा। जमीन की तलाश की जा रही है। उम्मीद है कि इस साल सभी पात्र किसानों को आबादी भूखंड आवंटित कर दिए जाएंगे। पूर्व में जिन किसानों की पात्रता सूची तय कर ली गई थी, उन्हें भूखंड आवंटित करने का काम चल रहा है।

57 परीक्षा केंद्रों पर शुरू होगी सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई)की ओर से आयोजित होने वाली 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं कल (शनिवार) से शुरू हो रही हैं। जिले में 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें प्रत्येक सेंटर पर 12वीं के 500 से 600 और 10वीं कक्षा के 800 से एक हजार बच्चे परीक्षा देंगे। बता दें कि 10वीं कक्षा की परीक्षाओं की शुरूआत अंग्रेजी पेपर के साथ होगी। 12वीं की परीक्षाओं की शुरूआत एंटरप्रेन्योरशिप विषय के पेपर से होगी। नोएडा की सीबीएसई कॉर्डिनेटर रेनू सिंह ने बताया कि प्रत्येक सेंटर पर 12वीं के 500 से 600 और 10वीं के 800 से एक हजार बच्चे परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी से शुरू हो रही सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा के लिए इस बार 57 सेंटर बनाए गए हैं। ग्रेटर नोएडा में छात्रों की संख्या ज्यादा है। इसलिए ग्रेटर नोएडा में परीक्षा केंद्रों की संख्या ज्यादा है, जबकि नोएडा में 17 सेंटर बनाए गए हैं।उन्होंने बताया कि सीबीएसई 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए स्कूलों से आदेश जारी किए गए है। इसमें समय पर सेंटर पर पहुंचे और प्रवेश-पत्र और आईकार्ड अनिवार्य रूप से लानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रवेश-पत्र के बिना किसी भी छात्र को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रवेश-पत्र पर विद्यालय प्रधानाचार्य, छात्र, माता-पिता, अभिभावक के हस्ताक्षर होने अनिवार्य होंगे। परीक्षा केंद्र में फोन, ईयर फोन और अन्य उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा शुरू होने से पहले छात्रों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस बार सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 के समय में बदलाव किया गया है।कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों की परीक्षाएं सुबह 10.30 बजे से शुरू होंगी और दोपहर 1.30 बजे तक चलेंगी। वहीं 17 फरवरी, 18 फरवरी, 1 मार्च, 3 मार्च, 5 मार्च, 12 मार्च और 18 मार्च 2025 को परीक्षा सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक संपन्न होंगीं । जिले में बनाए गए 57 परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी के माध्यम से विद्यार्थियों पर नजर रहेगी। इसी के साथ परीक्षा केंद्रों पर गहन तलाशी के बाद ही छात्रों को प्रवेश किया जाएगा। नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए केंद्रों ने अपने स्तर पर खास तैयारी की गई है। परीक्षा के दौरान पुलिस प्रशासन से भी सहयोग मांगा गया है।

विधायक पंकज सिंह से मिले खेल प्रशिक्षक व खिलाड़ी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। जनहित संघर्ष समिति के तत्वाधान में खेल प्रशिक्षक व खिलाड़ियों ने सौहरखा खेल मैदान की बदहाली को दूर कराने के लिए विधायक पंकज सिंह से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सोपा। समिति प्रवक्ता रवि यादव ने बताया कि स्थानीय खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों की मांग पर करीब एक दशक की भाग दौड़ के बाद सौहरखा खेल मैदान में खेलों के लिए

आउटडोर कोर्ट, रनिंग ट्रेक आदि का निर्माण कार्य होना है जिसके लिए नौएडा प्राधिकरण से टेंडर भी हो चुका है परन्तु प्राधिकरण के अधिकारियों की हिलावली के कारण यह कार्य अधर में अटका हुआ है। वही विधायक पंकज सिंह ने कहा कि वह इस मामले को धरातल पर लाने के लिए भरसक प्रयास करेंगे। इस मौके पर कुश्ती कोच इन्द्रजित पहलवान, अंकित पहलवान,जतन पहलवान लविश पहलवान आदि खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सलाम नमस्ते में जलवायु परिवर्तन पर प्रतिस्पर्धा का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में विश्व रेडियो दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दूसरे दिन छात्रों के लिए प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने रेडियो जिंगल, गीत, मॉडल, पॉडकास्ट एवं अपनी कला के माध्यम से अपने विचार को रचनात्मक रूप प्रकट किए। वहीं इस कार्यक्रम माध्यम से छात्रों को जलवायु परिवर्तन के प्रति सजग करना एवं उन्हें इस

वैश्विक मुद्दे पर विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम के दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि छात्रों द्वारा प्रस्तुत विचार और कलात्मक अभिव्यक्ति यह प्रमाणित करती है कि युवा पीढ़ी भी जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से ले रही है। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन महत्वपूर्ण मुद्दा है। युवाओं को इस समस्या के समाधान के बारे में सोचना एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि रेडियो की पहुँच दूर-दराज के क्षेत्रों तक होती है, जिससे जागरूकता बढ़ाने और सतत विकास के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में यह एक सशक्त साधन बन सकता है। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि आज प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 20 फरवरी को सम्मानित किया जाएगा। वहीं सलाम नमस्ते सभी विजयी प्रतिभागियों के किए गए कार्यों को रेडियो पर प्रसारित भी करेगा। उन्होंने कहा कि आज के इस आयोजन ने छात्रों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता को निखारने का भी अवसर प्रदान किया।

घर बैठे चेक करें प्रॉपर्टी की हर जानकारी, लॉन्च हुआ नया सिस्टम

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अब घर बैठे रियल टाइम प्रॉपर्टी देखने के साथ प्रॉपर्टी पर प्राधिकरण का कितना बकाया है या क्लियर है, इसकी जानकारी मिल सकेगी। प्राधिकरण ने इसका पूरा डाटा तैयार किया है। इसे अपलोड किया जाएगा। इसके बाद उन आवंटियों को आसानी होगी जिनको रीसेल में प्रॉपर्टी खरीदनी है। उनको प्रॉपर्टी की पूरी डिटेल मिल सकेगी। यह पूरी जानकारी प्राधिकरण की वेबसाइट के जरिये जियो ग्राफिकल इनफार्मेशन सिस्टम (जीआइएस) से मिल सकेगी। बता दें कि शहर की सभी प्रॉपर्टी लीज पर है। यहां प्रॉपर्टी खरीद फरोख्त या रीसेल करने के बाद ट्रांसफर आफ मेमोरेंडम (टीएम) किया जाता है। प्रॉपर्टी तभी दूसरे व्यक्ति के नाम होगी जब मूल आवंटी का सभी बकाया क्लियर होगा, उसे एनओसी दी जाएगी। इसी एनओसी के आधार पर टीएम किया जाता है। ऐसे में लोगों को प्रॉपर्टी की पूरी जानकारी इस जीआइएस सिस्टम से मिल सकेगी। वह किसी फ्राड का शिकार नहीं होगा।इस सिस्टम में प्रॉपर्टी का बकाया डाटा अपलोड होने के साथ वर्तमान में आप प्लाट नंबर सलेक्ट करने पर आनर का नाम, एरिया, अलाटमेंट आईडी, अलाटमेंट डेट, लीज डेट के साथ मैप के जरिये प्लाट के आसपास की पूरी लोकेशन, रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर, पार्किंग आदि के बारे में पूरी जानकारी मिल रही है। पूरा डाटा कलेक्शन नहीं हो सका प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि यहां अपलोड किया गया सेटेलाइट मैप 2022 का है। यानी 2022 तक जो भी भूखंड की लाइव अपडेट है वह जीआइएस के जरिये आपको दिख जाएगी। चार श्रेणी की प्रापर्टी रियल टाइम जीपीएस से जुड़ी, लिंक पर जाकर करे सर्च : प्राधिकरण की सभी संस्थागत, औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक प्रापर्टी को भी रियल टाइम कर दिया गया है। ग्रुप हाउसिंग प्रॉपर्टी को रियल टाइम नहीं किया जा सका है, क्योंकि अधिकांश सोसायटी में बायर्स की रजिस्ट्री नहीं हुई है। ऐसे में पूरा डाटा कलेक्शन नहीं हो सका है। जल्द ही इसे भी रियल टाइम कर दिया जाएगा।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करें

ललित गर्ग

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है।

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। निःसंदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जटिल समस्या

शहरी क्षेत्रों में आश्रयविहीन लोगों के लिए आश्रय स्थल बनाए जाने को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका से यह निहितार्थ निकलते हुए कहा कि मुफ्त की रेवड़ियों यानी बिजली, पानी, हवा अनाज और पैसा आदि बिना कोई श्रम किए दिए जाने से लोग परजीवी बना रहे हैं। अगर उन्हें बिना काम की यही सब कुछ मुफ्त मिल जाएगा तो वह काम क्यों करेंगे। इस पर प्रति टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ऐसा नहीं है कि लोग काम नहीं करना चाहते, लेकिन उनके पास काम नहीं है। न्यायपीठ ने प्रशांत भूषण के इस कथन से सहमति व्यक्त नहीं की। इस पूरे प्रकरण में तीन बातें उभर कर आती हैं। गरीबों को बिना किसी श्रम के साथ धन और सुविधाएं उपलब्ध कराना उचित है या अनुचित। क्या इस तरह की योजनाओं से लोग परजीवी बना रहे हैं और सारे काम उपलब्ध होते हुए लोग काम से विमुख हो रहे हैं। और तीसरी बात यह कि क्या उन्हें सचमुच काम उपलब्ध है। जिस देश में विषम आर्थिक प्रगति हो तथा गरीबी और अमीरी की खाई निरंतर चौड़ी हो रही हो और जहां गरीबों के लिए रोजगार का सृजन न हो रहा हो वहां सरकारों के पास एकमात्र यही विकल्प बचता है कि लोग जीवन यापन कर सकें। इसके लिए उन्हें आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। नैतिक तौर पर यह गलत नहीं है, अब जहां तक परजीवी बनने का सवाल है यानी मुफ्त का खाने की आदत पड़ने का प्रश्न है तो यहां सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह जिन्हें भी यह सुविधा उपलब्ध करा रही है उनके लिए वह किसी ने किसी काम की शर्त रख सकती है। चाहे वह शर्त कितनी भी छोटी क्यों ना हो। लोगों का यह एहसास अवश्य होना चाहिए कि जो कुछ वह प्राप्त कर रहे हैं उसमें वह अपना योगदान भी कर रहे हैं। भले ही उनको दिया जाने वाला कार्य समाजसेवा जैसा ही क्यों ना हो। ऐसे कामों की सूची में सफाई से लेकर नगर व्यवहार तक को शामिल किया जा सकता है। जहां तक रोजगार उपलब्धता का सवाल है तो यह सर्वविदित तथ्य है कि देश में रोजगार बहुत बड़ी समस्या है जिसका कोई भी समाधान राज्य तंत्र नहीं निकाल पाया है। कुल मिलाकर, ये ऐसी ऐसी जटिल समस्याएं हैं जो बहुस्तरीय हैं और इनका समाधान भी बहुस्तरीय होना चाहिए। अन्यथा इसका हल निकलना संभव नहीं है।

चिंतन-मनन

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढे में गिर गये। गड्ढे से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढे से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छः सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया। राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये।...

हमारा लोकतंत्र- सदन के सामने से कतराते हमारे जनप्रतिनिधि...!

ओमप्रकाश मेहता

आजादी की हीरक जयंति के दौरान देश के इस मसले पर गंभीर चिंतन करना चाहिए कि क्या आजादी के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले या जानलेवा संघर्ष करने वाले हमारे राष्ट्रभक्त पूर्वजों की मोहक कल्पनाओं पर हम खरे उतर रहे है? या उनके सपनों में रंग भरने का तनिक भी प्रयास कर रहे है? यह एक ऐसा मुद्दा है जो हमें निराश ही करने वाला है, क्योंकि देश व देशवासियों को उनकी पारिवारिक उलझनों में उलझा कर स्वार्थ सिद्ध करने वालों का आज बाहुल्य हो गया है, आज की राजनीति का जनसेवा से दूर का भी सम्बंध नहीं रहा। आज राजनीति ने एक व्यवसाय का रूप धारण कर लिया है, जो कम समय में अधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है, इसीलिए आज राजनीति एक महत्वपूर्ण आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है, आज युवा वर्ग का रूझान इसी 'हींग लगे न फिटकरी, रंग चौखा होय' की ओर आधिक है। ....और राजनीति से लोकसेवा की भावना खत्म हो जाने से यह व्यवसाय सभ्य समाज में 'गाली' बनता जा रहा है। इधर उधर की जुगाड़ लगाकर साधारण सरकारी नौकरी पाने वाला एक युवक खून पसीना बहाने के बाद भी पूरे महीनें में इतना नहीं कमा पाता, जितना राजनीति में लिप्त एक युवा एक दिन में अपनी काली कमाई एकत्र कर लेता है।

....और यदि यही राजनीतिक युवा जोड़-तोड़ करके चुनाव जीत कर सांसद या विधायक बन जाता है तो फिर उसकी सात पीढ़ियों को किस भी प्रकार की कोई चिंता करने की जरूरत नहीं, क्योंकि फिर उसका बहुमूल्य समय संसद या विधानसभा के सदनों में कम बाहर की आर्थिक जोड़-तोड़ में ज्यादा खर्च होता है। आज की यह भी एक महान समस्या सामने आ रही है, जिसके तहत हमारे प्रजातंत्र की संसदीय पद्धति बदनामी के शिखर को छूने की तैयारी कर रही है, आज हमारे जन प्रतिनिधि संसद या विधानसभाअें की सदस्यता या उसके माध्यम से जनसेवा के लिए ग्रहण नहीं करते, बल्कि सदन के बाहर की राजनीतिक 'दादागिरी' के लिए चुनते है, आज इसीलिए हमारी संसदीय प्रणाली अपने मूल उद्देश्यों को हासिल करने में अयोग्य साबित हो रही है, और इसी कारण आज हमारी संसद व विधानसभाओं की निर्धारित दिवसों की संख्या पूरी नही हो पाती, सत्र जितनी अवधि के लिए आहूत किए जाते है, उससे आधी अवधि तक भी चल नही पाते और लोक महत्व के विधेयकों या विषयों पर सदनों में चर्चा ही नहीं हो पाती और मतदाताओं की उम्मीदें अपेक्षाएं धवस्त हो जाती है।

आज की सबसे अहम् समस्या यही है, राज्यों व देश के बजट के आकार में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है और प्रजातंत्र के मंदिरों (संसद विधानसभा) में पूजा की अवधि लगाकर कम होती जा रही है, अर्थात् अब लोकतंत्र के मंदिर सिर्फ दिखावे के लिए ही रह गए है, इनमें विराजित 'देवता' के प्रति न कोई आस्था शेष रही और न ही विश्वास।

आज तो यह आम चलन ही हो गया है कि सत्र बुलाए जाते है लम्बी अवधि के लिए और फिर खत्म हो जाते है अल्पावधि में ही, न सत्र चलाने वालों की अब इनमें कोई दिलचस्पी बची है और न ही सत्र में शामिल होने वालों की।

यद्यपि आज इस महत्वपूर्ण मसले पर गंभीर चिंतन करने का वक्त प्रजातंत्र के किसी भी अंग के पास नही है, किंतु सबसे अहम् चिंताजनक सवाल यह है कि ऐसा कब तक चलेगा? और यदि यही चलता रहा तो हमारे प्रजातंत्र का भविष्य क्या होगा? आज हमारे भारतीयों के खून-पसीनें से कमाई और विभिन्न करों के रूप में सरकार द्वारा वसूली जा रही राशि राजनेताओं की रंग-रैलियों व फालतू कामों पर खर्च की जा रही है और इस पर निगरानी रखने वाला दर्शक दीर्घा में जाकर बैठ गया है, ऐसे में इस देश का क्या होगा? आज यही सबसे बड़ी चिंता का सवाल है, जिसका जवाब किसी के पास भी नही है, चिंतित है तो केवल चिंताग्रस्त परेशान नागरिकों या बुद्धिजीवी?

मुद्दा : ई-कॉमर्स कंपनियों का नया खेल

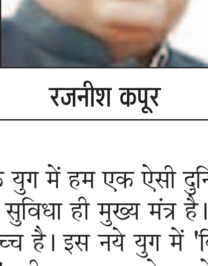

रजनीश कपूर

आज के युग में हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां सुविधा ही मुख्य मंत्र है। जहां गति ही सर्वोच्च है। इस नये युग में 'क्विक कॉमर्स' या 'ई-कॉमर्स' की सफलता को इससे बेहतर नहीं समझा जा सकता। आज 'ई-कॉमर्स' ने हमारे खरीदारी करने के तरीके में क्रांति ला दी है। अब कुछ 'ई-कॉमर्स' वाली कंपनियां एक कदम आगे छलांग लगाने जा रहीं हैं जिससे कई मौजूदा और स्थापित उद्योगों को भारी चोट पहुंच सकती है। ग्राहकों को लुभाने की दृष्टि से कुछ 'ई-कॉमर्स' कंपनियां अनुचित व्यापार के तरीकों से मौजूदा उद्योगों के ग्राहकों को छीनने का प्रयास करने जा रही है। इस क्रम में फिलहाल कुछ खाना डिलीवर करने वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों की सूची है जो अपने मौजूदा रेस्टोरेंट मालिकों के साथ सीधी टक्कर लेने को तैयार है।

कल्पना कीजिए कि आप अपना मनचाहा स्वादिष्ट भोजन खाना चाहते हैं। अभी तक आप मौजूदा डिलीवरी ऐप्स के जरिए अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट से वह भोजन मांगा लेते हैं। रेस्टोरेंट की व्यस्तता, आपके घर से उसकी दूरी और आपके द्वारा मंगाए गए भोजन की मात्रा के अनुसार आपको वह भोजन 20-25 मिनट या उससे अधिक में, घर बैठे ही मिल जाता है। इस व्यवस्था में आपको और आपके पसंदीदा रेस्टोरेंट, दोनों को ही फायदा रहता है। आपको आपका मनपसंद भोजन घर बैठे ही मिल जाता है और आपके पसंदीदा रेस्टोरेंट को उसके जमे-जमाए ग्राहकों से धंधा मिल जाता है। इसके लिए यदि आपको और रेस्टोरेंट मलिक को डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनी कुछ कमीशन भी देना पड़े तो वह चुभता नहीं। जब यह व्यवस्था नई-नई शुरू हुई थी तो ग्राहकों, डिलीवरी करने वाले साथियों और रेस्टोरेंट मालिकों को लुभाने की दृष्टि से, ये कंपनियां काफी अच्छे ऑफर्स देते थे। देखते ही देखते इन सभी की संख्या लाखों करोड़ों में पहुंच गई। इसके साथ ही इन डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों की क्मिशन भी बढ़ी। सभी एक दूसरे के फायदे का जरिया भी बने। कोरोना काल में तो ये 'ई-कॉमर्स' कंपनियां काफी मददगार भी साबित हुई। परंतु अब कुछ ऐसा सुनने में आया है जिससे कि अधिकतर रेस्टोरेंट मलिक इन डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के खिलाफ अदालत का रु ख भी करने को मजबूर हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों ने अपने ही ब्रांड के कुछ व्यंजनों को बाजार में उतारने की तैयारी कर ली है। इस नये प्रयोग के तहत जो भी मशहूर व स्वादिष्ट व्यंजन की मांग ग्राहकों से अधिक मिलती थी उन सबसे मिलते-जुलते व्यंजनों को ये कंपनियां अपने ही लेबल और ब्रांड का बता कर बाजार में उतारने जा रही है। ऐसे में अपने ब्रांड के व्यंजनों को ग्राहकों के बीच लोकप्रिय करने की दृष्टि से वह इन व्यंजनों को मात्र दस से पंद्रह मिनट में ही पहुंचाने का दावा करने जा रही है। ये सब व्यंजन 'रेडी-टू-ईट' की श्रेणी में पहले से ही इन कंपनियों के द्वारा इकट्ठा किए जाएंगे और जैसे ही किसी ग्राहक को इससे मिलते जुलते भोजन का ऑर्डर देना होगा तो ये कंपनियां ग्राहकों को मौजूदा रेस्टोरेंट से कम दाम और कम समय में डिलीवर करने की ऑफर देंगी। निश्चित रूप से ज्यादातर ग्राहक सस्ती और जल्दी के चक्कर में पड़ ही जाएंगे। सोचने वाली बात यह है कि यदि आप अपने मनपसंद पराठे खाना चाहें, लेकिन जितना समय आपको उसे बनाने में लगेगा उससे आधे समय में यदि गरमा-गरम पराठा आप तक पहुंच जाए तो आप अपनी जेब ढीली करने में देर नहीं लगाएंगे, परंतु जहां रेस्टोरेंट मलिक इन डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के मौजूदा व्यवस्था से खुश थे वहीं वे इन कंपनियों के नये अवतार में आने की खबर से काफी चिंतित हैं।

भारत की नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन (एनआरएआई) ने डिलीवरी ऐप्स की 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के खिलाफ अदालत जाने की पूरी तैयारी कर ली है। वे इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हैं। एनआरएआई के मुताबिक इन डिलीवरी ऐप्स की 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के पास सभी ग्राहकों के विस्तृत जानकारी होती है। जैसे कि उनके नाम, पता, फोन नम्बर इत्यादि। इतना ही नहीं ग्राहकों द्वारा बारझबार या कबझकब कौन सा भोजन मंगाया जाता है इस सबकी भी जानकारी होती है जो वे रेस्टोरेंट से कभी साझा नहीं करते। एनआरएआई के मुताबिक चूंकि रेस्टोरेंट मालिकों के पास उसके डिलीवरी ऐप्स वाले ग्राहकों की सूची नहीं होती, इसलिए उनको यह नहीं पता चलता कि खाना किस ग्राहक ने मंगाया है। ऐसे में यदि ये डिलीवरी ऐप्स वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियां रेस्टोरेंट के ग्राहकों को तोड़ने का काम कर रही है तो

यह अनुचित व्यापार प्रथा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि जब इन डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों को किसी अदालत या अन्य कानूनी पटल द्वारा लताड़ा न गया हो, लेकिन इस ताजा मामले में क्या होता है यह तो आने वाला समय ही बताएगा। अलबत्ता, एक बात तो तय है कि व्यापार चाहे रेस्टोरेंट का हो या रोजमर्रा के सामान की खरीदारी का, सभी को एक समान अवसर ही मिलना चाहिए। छल और कपट से किया गया व्यापार ज्यादा दिन तक नहीं चलता।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

हत्या की गुत्थी सुलझी, चार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले के बिंदापुर इलाके में संपत्ति विवाद में भाई की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपितों की पहचान मरने वाले का भाई मटियाल गांव निवासी रविंदर कुमार (41), सतेंद्र (44), जाहिद (26) और अवनीश (23) के रूप में हुई है। यह तीनों गाजियाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से अपराध में इस्तेमाल दो देसी कट्टे, 04 जिंदा कारतूस और 01 खाली कारतूस बरामद किया गया। इसके अलावा एक हुंडई एक्सेंट कार भी बरामद की गई। डीसीपी ने बताया 10 फरवरी की रात 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि उत्तम नगर इलाके में एक युवक को कुछ लोगों ने गोली मार दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। क्राइम व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान धरमिंदर दलाल के रूप में हुई है। मृतक के सिर में गोली मारी गई थी। बिंदापुर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया। डीसीपी के अनुसार पुलिस ने उक्त मामले में जिले की स्पेशल स्टाफ को लगाया गया। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर चार आरोपितों को दबोचा। पूछताछ में आरोपित रविंदर ने बताया कि उसका अपने छोटे भाई (मृतक) के साथ संपत्ति और किराये की आय के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इस संबंध में कई बैठकें हुईं, लेकिन सभी व्यर्थ रहीं। वह बहुत निराश था क्योंकि छोटे भाई को किराये की आय में बड़ा हिस्सा मिल रहा था और बराबर हिस्सा मांगने पर उसका छोटा भाई उन्हें धमका रहा था। आरोपित ने आगे बताया कि करीब एक महीने से वह भाई की हत्या की योजना बना रहे थे। भाई की हत्या करने के लिए उसने अपने दोस्त सतेंद्र, जाहिद और अवनीश से मदद मांगी। जाहिद ने हथियार का इंतजाम किया था।

होटल में मिला युवक का शव

नई दिल्ली। बाहरी जिले के पश्चिम विहार स्थित होटल डी क्राउन में एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान निहाल विहार निवासी अभिनव सागर (24) के रूप में हुई है। पुलिस को होटल के कमरे में एक युवती भी मिली है। फिलहाल पुलिस युवती से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह करीब 7-12 बजे पश्चिम विहार पूर्व थाना पुलिस को सूचना मिली कि होटल डी क्राउन में एक युवक ने आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक फंदे से लटका हुआ है। पुलिस ने युवक को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम को होटल के कमरे में एक लड़की भी मिली है। पूछताछ के दौरान पता चला है कि दोनों पिछले कुछ समय से एक-दूसरे को जानते थे। कुछ दिन पहले उनके बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटा लिए हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों व युवती से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली मेट्रो में केबल चोरी करने वालों पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में केबल चोरी की घटनाएं बीते दिनों काफी बढ़ गई थी। पुलिस ने इन चोरों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और तीन आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में स्पाइडरमैन नामक शख्स को भी गिरफ्तार किया है। संयुक्त सीपी ट्रांसपोर्ट रेंज विजय सिंह ने बताया, 'हमने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य 3 की तलाश जारी है। डीएमआरसी द्वारा हाल ही में की गई 4 शिकायतों पर काम किया गया है। एक 'स्पाइडरमैन' को भी गिरफ्तार किया गया है।' 'स्पाइडरमैन' नामक विशेष शख्स ऊपर चढ़ता था और गिरोह के बाकी सदस्यों की मदद करता था। फिर वे केबल काटते थे और अपने वाहनों में लोड करते थे।' उन्होंने बताया कि चार मामलों में दो जनकपुरी और दो आजादपुर मेट्रो पुलिस स्टेशन के हैं। ये चोर पहले ट्रैक की रेकी करते थे। इन्हें जिन इलाके में लगता था कि ये चढ़ सकते हैं, उन्हें पहचानते थे और कई लोगों की मदद से वहां जाकर तार की कटिंग करते थे। महिंद्रा बोलेरो का इस्तेमाल इसमें होता था। इसे भी बरामद किया गया है। केबल की चोरी करना मुश्किल होता है। इससे ट्रेन सेवाएं भी बाधित होती है। कई बार चोरी के बाद ट्रेन सेवाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

मोती नगर मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन सेवाएं हुई थी बाधित

उन्होंने कहा कि हाल ही में आजादपुर मेट्रो स्टेशन पर केबल चोरी के बाद मेट्रो सेवाएं बाधित नहीं हुई थी। वहीं मोती नगर से केबल चोरी हुई थी, तब मेट्रो सेवाएं छह-सात घंटे की सेवाएं बाधित हुई थी। हमने पिछले केस में जिसे केबल बेचे गए थे, उसके डीलर को पकड़ा गया था। उन्हें पता था कि केबल में कॉपर होता है और इसे निकालकर और पिघलाकर कई सामान बनाए जा सकते हैं और इसे बेचा जा सकता है। उनसे पूछताछ की गई थी और इससे कई जानकारी सामने आई थई।

पति और उसके परिवार को परेशान करने के लिए दहेज प्रावधान का हो रहा दुरुपयोग : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने वैवाहिक केस में पति सहित पूरे परिवार को फंसाने के मामले में अहम टिप्पणी की है। अदालत का कहना है कि कोर्ट ने 'कई मामलों में वैवाहिक मुकदमेबाजी में पति और उसके परिवार को फंसाने की बढ़ती प्रवृत्ति' देखी है। जस्टिस अमित महाजन ने 2017 में दिल्ली छावनी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक एफआईआर को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक महिला से दहेज की मांग की गई है। उसके पूर्व पति और उसके परिवार द्वारा महिला को परेशान किया जा रहा है। जस्टिस महाजन ने इस बात पर गौर किया कि कपल के अलग रहने और तलाक की अर्जी दाखिल करने के तीन साल से ज्यादा समय बाद एफआईआर दर्ज की गई थी। अदालत ने यह भी माना कि बिना किसी विशेष जानकारी के यह आरोप लगाए गए हैं। तलाक का आदेश 2019 में दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि धारा 498ए का प्रयोग पति और उसके परिवार को प्रताड़ित करने के लिए हो रहा है। जस्टिस महाजन ने सात फरवरी के आदेश में कहा, 'आईपीसी की धारा 498ए का प्रावधान विवाहित महिलाओं को होने वाले उत्पीड़न से बचाने के मकसद से बनाया गया था। लेकिन, यह देखना दुखद है कि अब इसका दुरुपयोग पति और उसके परिवार के सदस्यों को परेशान करने और फायदा उठाने के लिए भी किया जा रहा है। ऐसे मामले अब वकील की सलाह पर असल घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर और गलत तरीके से पेश करके दायर किए जाते हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि उत्पीड़न के वास्तविक मामले मौजूद नहीं हैं।' हाईकोर्ट के जस्टिस ने कहा, 'यह अदालत दहेज के लालच की गहरी जड़ें जमा चुकी सामाजिक बुराई की जमीनी हकीकत से अनजान नहीं है, जिसके कारण कई पीड़ितों को अमानवीय व्यवहार और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। हालांकि, इस तरह के मामलों में, जहां याचिकाकर्ता के खिलाफ अस्पष्ट और बहुत देर से, आरोप लगाए गए हैं, इस अदालत की राय में, कार्यवाही जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।'

अभिजीत मुखर्जी की कांग्रेस में वापसी से मिलेगी पार्टी को मजबूती : दीपक शर्मा

नई दिल्ली। रोहताश नगर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक शर्मा नें पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के सुपुत्र अभिजीत मुखर्जी के कांग्रेस में शामिल होने का स्वागत करते हुए कहा श्री मुखर्जी की वापसी से कांग्रेस को न केवल पश्चिम बंगाल अपितु पूरे देश में मजबूती मिलेगी। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी ने बुधवार को ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया और फिर से कांग्रेस में वापस लौट गये। कांग्रेस में वापसी पर उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस छोड़कर एक राजनीतिक गलती की थी। अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि वह तृणमूल छोड़कर कांग्रेस में लौट आए हैं। बता दें कि अभिजीत मुखर्जी जुलाई 2019 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे। कांग्रेस में फिर से वापसी के बाद उन्होंने कहा, आज मेरा दूसरा जन्मदिन है। कांग्रेस को छोड़कर भारत में कोई अन्य पार्टी नहीं है जो जाति या धर्म की परवाह किए बिना सभी को गले लगाती हो।卐 अभिजात ने कहा, 卐मुझे जो भी काम दिया जाएगा, मैं उसे करूंगा।卐 उन्होंने कहा, इसके अलावा, मैं हर जगह जाऊंगा और उन लोगों को वापस लाने के लिए काम करूंगा जो कांग्रेस छोड़कर अन्य पार्टियों में शामिल हो गए हैं। अभिजीत मुखर्जी के पार्टी में शामिल होने पर भारत सरकार के इस्पात एवं संचार मंत्रालय के पूर्व सदस्य दीपक शर्मा ने खुशी जाहिर की व कॉग्रेस आलाकमान से आग्रह किया की अभिजीत मुखर्जी के अनुभव व तजुर्बे को देखते हुए उन्हे पार्टी में अहम जिम्मेदारी देकर उनके अनुभव का लाभ लेगी।

उपराज्यपाल अधिकारियों को दें निर्देश, ना मानें कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी के अनुचित निर्देश : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शुक्रवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को पत्र लिखकर मांग की है कि वे अधिकारियों को निर्देश दें कि वह कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के अनुचित निर्देश ना मानें। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आतिशी मार्लेना अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी सम्पति की डिजिटल लूट करवाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आतिशी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बिजली कटौती के नाम का भ्रम फैला रही है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आतिशी मार्लेना ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री होते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भाजपा पर बिजली कटौती करवाने का आरोप लगाया। उसके चलते यह सुनिश्चित किया जाये की कार्यवाहक मुख्यमंत्री रहते आतिशी मार्लेना भ्रामक ब्यानबाजी ना करें। पत्र में सचदेवा ने कहा कि जिस तरह सरकारी पैसे एवं संसाधनों से विकसित मुख्यमंत्री कार्यालय के एक्स पोस्ट खाते को कार्यवाहक मुख्यमंत्री के निर्देश पर आई.टी. विभाग अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का निजी सोशल मीडिया खाता बना डाला वह गैर कानूनी है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने मांग की है कि उपराज्यपाल अधिकारियों को निर्देश दें कि वह आतिशी के माध्यम से इस डिजिटल लूट को रूकवायें और सी.एम.ओ. दिल्ली की सोशल मीडिया पोस्ट वापस हो। सचदेवा ने कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बिजली कटौती हो रही है जबकि वास्तव में कोई कटौती नही हो रही अतः उपराज्यपाल पावर डिस्कॉम को कहें की वह स्थिती स्पष्ट करें।

सज्जन कुमार को पार्टी से निकालें और देश से माफी मांगें- मनजिंदर सिंह सिरसा का राहुल गांधी को पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव और राजौरी गार्डन के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर 1984 के सिख नरसंहार के मामले में दोषी करार दिए गए कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को पार्टी से निष्कासित करने और देश से माफी मांगने की मांग की है।

अपने पत्र में सिरसा ने कहा कि 1984 के सिख नरसंहार से जुड़े एक और मामले में सज्जन कुमार की दोषसिद्धि भारत के इतिहास की सबसे दर्दनाक और शर्मनाक घटनाओं में से एक की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि चार दशकों से पीड़ित परिवार न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, और अब जब अदालत ने तीसरी बार सज्जन कुमार के खिलाफ आरोपों की पुष्टि कर दी है,

तो राहुल गांधी को नैतिक और राजनीतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए ठोस कदम उठाने चाहिए।

सिरसा ने राहुल गांधी के हाल ही में श्री दरबार साहिब के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वह सिखों के हमदर्द होने का दिखावा कर रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी ने सज्जन कुमार को वर्षों तक संरक्षण दिया और बचाव किया। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी सच में न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि 1984 के सिख नरसंहार में शामिल कोई भी दोषी कांग्रेस पार्टी से न जुड़ा रहे।

उन्होंने मोदी सरकार द्वारा 1984 के मामलों की दोबारा जांच के लिए एसआईटी गठित करने और संसद में न्याय सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, उन्होंने कहा कि देर से ही सही, लेकिन सिख समुदाय और देश इस नरसंहार को कभी नहीं भूलेगा। सिरसा ने राहुल गांधी से सीधा सवाल किया कि क्या वे राजनीतिक लाभ के बजाय न्याय को प्राथमिकता देंगे, या फिर कांग्रेस की दशकों पुरानी नकारात्मक नीतियों का ही पालन करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल शब्दों से नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई से ही यह साबित होगा कि राहुल गांधी सच में न्याय के प्रति गंभीर हैं।

दिल्ली पुलिस ने चलाया ऑपरेशन 'कवच 7.0' के तहत 784 जगहों पर की छापेमारी, 90 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल और सभी 15 जिलों की स्थानीय पुलिस यूनिट ने आपरेशन 'कवच 7.0' के तहत बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर नशे के कारोबारियों और संगठित अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। यह 24 घंटे का समन्वित अभियान 12 फरवरी की शाम 6 बजे से 13 फरवरी की शाम 6 बजे तक चला, जिसमें दिल्ली के 15 जिलों में 784 स्थानों पर छापेमारी की गई।

48 दोपहिया वाहन भी जब्त

अभियान के दौरान 87 एनडीपीएस मामलों में 90 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए गए। बरामदगी में 553.05 ग्राम हेरोइन, 43.028 किलोग्राम गांजा, 199 ग्राम कोकीन और 2, 07, 600 अल्प्राजोलम टैबलेट शामिल हैं। इसके अलावा, 48 दोपहिया वाहन भी जब्त किए गए।

विशेष पुलिस आयुक्त अपराध देवेश चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशानुसार दिल्ली पुलिस द्वारा नशीली दवाओं और नशीली दवाओं के तस्करों के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। अभियान के तहत नार्को-अपराधियों पर समन्वित छापेमारी की कार्रवाई की योजना बनाई गई। मानव खुफिया जानकारी के साथ-साथ तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से जानकारी विकसित की गई और पूरी दिल्ली में एक साथ ये ऑपरेशन चलाया गया।

784 स्थानों पर छापेमारी कर की कार्रवाई

87 एनडीपीएस मामलों में 90 नार्को-अपराधियों को किया गिरफ्तार।

553.05 ग्राम हेरोइन, 43.028 किलोग्राम गांजा, 199 ग्राम कोकीन और अल्प्राजोलम की 2, 07, 600 गोलियां की गईं जब्त।

आबकारी अधिनियम के तहत 157 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 161 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई।

94 बोतलें और 432 कैन बीयर, 33, 098 क्वार्टर अवैध शराब और 5 हुक्का जब्त।

27 आर्म्स एक्ट मामलों में 29 लोगों को किया गया गिरफ्तार।

1 रिवॉल्वर, 1 पिस्टल, 6 कट्टे, 11 कारतूस, 1 सर्जिकल ब्लेड, 18 चाकू, 24, 000 नकद और 2 चोरी की मोटरसाइकिलें और 2 चोरी के रिक्शा बरामद।

909 व्यक्तियों को निवारक हिरासत में लिया गया, 5077 व्यक्तियों को 65 डीपी अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया।

48 वाहनों को यू/एस 66 डीपी अधिनियम के तहत जब्त किया गया।

शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में अवैध तंबाकू बिक्री पर कार्रवाई करते हुए 1, 407 लोगों पर कोटपा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

कोटपा अधिनियम के तहत एक व्यक्ति को 10, 000 सिगरेट पैकेट के साथ गिरफ्तार किया गया।

आम आदमी पार्टी ने खाली किया है दिल्ली का खजाना: बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के भ्रष्ट शासन के कारण दिल्ली का खजाना खाली हो चुका है। हालत यह है कि दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को वेतन देने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने आखिरी दिनों में केंद्र सरकार से 10 हजार करोड़ का लोन मांगा था। ऐसी स्थिति में कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा दिल्ली के आर्थिक विकास का बखान आज तक का सबसे बड़ा झूठ है। आप सरकार ने करोड़ों के घोटालों से दिल्ली को कंगाली की स्थिति में पहुंचा दिया है।

बिधूड़ी ने कहा कि आतिशी को यह पता है कि आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली को हर कदम पर लूटा है। इसलिए उन्हें पता है कि जिस पार्टी की भी नई सरकार आती, उसे आर्थिक संकट के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इसीलिए वह खुद स्वीकार कर रही हैं कि दिल्ली के खजाने की ऐसी स्थिति बन चुकी है लेकिन वह भाजपा के वादों को लेकर परेशान न हों। भाजपा की नई सरकार पहली केबिनेट बैठक में ही अपने प्रमुख वादों को पूरा करने का ऐलान करेगी और इसके लिए फंड का भी इंतजाम करेगी। उन्होंने कहा कि आतिशी की तुलना उस व्यक्ति से की जा सकती है जिसने खुद ही दिल्ली के खजाने पर डाका डाला हो और फिर 'चोर-चोर' कहता हुआ मौके से भागने की कोशिश कर रहा हो।

बिधूड़ी ने कहा कि आतिशी को दिल्ली के बजट में ग्रोथ के साथ-साथ यह भी बताना चाहिए कि राजधानी की जनता के खून-पसीने की कमाई को आप सरकार ने अपने घोटालों से कैसे लुटाया। जनता ने तो ईमानदारी से टैक्स का भुगतान किया लेकिन आतिशी बताएं कि दिल्ली जल बोर्ड 75 हजार करोड़ रुपए के घाटे में कैसे आ गया? डीटीसी को हर साल 2500 करोड़ से अधिक का घाटा क्यों हो रहा है? यमुना की सफाई के लिए केंद्र सरकार द्वारा दिया गया 8500 करोड़ रुपया कहां गया।

दिल्ली में शराब घोटाले के नाम पर 2000 करोड़ से अधिक का घोटाला करके पैसा किसकी जेब में गया? 1300 करोड़ का शिक्षा घोटाला, 500 करोड़ का पैनिक बटन घोटाला और 65 हजार फर्जी टेस्ट करके मुहल्ला क्लीनिक का घोटाला करके दिल्ली को कितना नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की घोषणा के अनुसार विधानसभा के पहले सत्र में ही सीएजी रिपोर्ट भी पेश कर दी जाएंगी। दिल्ली को आप सरकार ने और कितने घोटालों से लूटा है, यह बात भी सामने आ जाएगी। इसलिए आतिशी अभी अपनी पार्टी को बचाने की चिंता करें।

डेढ़ करोड़ की कोकेन के साथ अफ्रीकी तस्कर समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दक्षिण पश्चिम जिले की वाहन चोरी निरोधक दस्ते (एएटीएस) ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से डेढ़ करोड़ रुपये की कोकेन बरामद की है। पुलिस ने इनके पास से 141.9 ग्राम कोकेन बरामद की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तस्करों में एक अफ्रीकी नागरिक याओ है, जो टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था और वीजा समाप्त होने के बाद अवैध रूप से रह रहा था। वहीं, दूसरा आरोपी बिहार निवासी विकास है, जो यहां छतरपुर में रह रहा था। दोनों आरोपियों की मुलाकात गुरुग्राम स्थित भौंडसी जेल में हुई थी।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि नशा मुक्त दिल्ली अभियान के तहत दक्षिण-पश्चिम जिले में ड्रग तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत एएटीएस को सूचना मिली थी कि भीकाजी कामा प्लेस के

पास दो तस्कर कोकेन की आपूर्ति करने आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वहां अपना जाल बिछाया। थोड़ी देर बाद पुलिस ने वहां आए, जिनमें एक अफ्रीकी मूल का था। पुलिस ने दोनों को रोककर उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 141.9 ग्राम कोकेन बरामद हुई।

आरोपियों की पहचान याओ अफ्रीका के रूप में हुई, जोकि यहां जाफराबाद में रहता था और दूसरा आरोपित मूलरूप से मुजफ्फरपुर, बिहार का रहने वाला विकास है, जो यहां छतरपुर में रह रहा था। आरोपी दिल्ली-एनसीआर में कोकीन की आपूर्ति करते थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कोकेन कहां से और किससे लेकर आते थे पुलिस उस नेटवर्क के बारे में जांच कर रही है।

पूछताछ में याओ ने बताया कि वह वर्ष 2018 में टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था और वीजा समाप्त होने के बाद अवैध रूप से यहां रह रहा था। जल्दी और आसान पैसा कमाने की लालच में याओ कोकीन की आपूर्ति करने लगा। इस दौरान वह गुरुग्राम पुलिस के हत्थे चढ़ गया और उसे भोंडसी जेल भेज दिया गया।

नौकरी की तलाश में बिहार से यहां आया था

इस दौरान जेल में उसकी मुलाकात विकास से हुई। विकास भी नशा तस्करी के आरोप में भोंडसी जेल में बंद था। पिछले साल दिसंबर में जेल से बाहर आकर दोनों मिलकर नशा आपूर्ति करने लगे। विकास पहले उन सुरक्षित स्थानों की रेकी करता, जहां उसे वे अपने ग्राहकों को कोकीन आपूर्ति कर सकते थे ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सकें। विकास बिहार से यहां नौकरी की तलाश में आया था और तस्करों के संपर्क में आने के बाद नशा तस्करी करने लगा।

भाजपा विधायक रवि नेगी ने अतिक्रमण के खिलाफ शुरू किया अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का गठन भले ही नहीं हुआ है, लेकिन पटपड़गंज सीट से विधायक चुने गए रविंद्र सिंह उर्फ रवि नेगी अपने काम पर जुट गए हैं। रवि नेगी ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें अब्दुल नाम के एक शख्स को जमीन खाली करने को कहते हुए बुलडोजर ऐक्शन की चेतावनी दे रहे हैं। रवि नेगी ने एक्स पर लिखा, 'पटपड़गंज विधानसभा में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बिल्कुल भी बर्दाशत किया जाएगा। जिसके लिए मैंने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है और जो भी व्यक्ति सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण करेगा, उसे वहां से हटाया जाएगा।' इस पोस्ट के साथ रवि नेगी ने वीडियो भी शेयर किया है जो वायरल हो गया है। 51 सेकेंड के इस वीडियो में दिख रहा है कि रवि नेगी अपने समर्थकों और पुलिस की मौजूदगी में कूड़ा बीनने वाले एक शख्स को जमीन खाली करने को कह रहे हैं। वह शख्स अपना नाम अब्दुल बताता है। वीडियो में नेगी कहते हैं कि यह डीडीए की जमीन है और इसे खाली करना होगा। नेगी कहते हैं, 'खाली कर देना 2-4 दिन में नहीं तो बहुत बड़ी कार्रवाई होगी। पूरा जीवन लग जाएगा उस कार्रवाई में। जो यहां नशा पत्ताा चल रहा है वह भी अपने लड़कों को कह देना।' रवि के नाम पूछे पर वह शख्स अपना नाम अब्दुल रहीम बताता है। इसके बाद नवनिर्वाचित विधायक ने कहा, 'अब्दुल भाई यहां जेसीबी लगा दूंगा, एक सेकेंड में उठ जाएगा। भारत सरकार की जमीन है, किसी की हिम्मत नहीं कि कब्जा कर ले। आपको समझा रहा हूं पहले प्यार से, भाई के नाते। 2-3 दिन में समेट लो सब अपना नहीं तो जेसीबी बुलाऊंगा, एक तरफ कर दूंगा सारा तामझाम।' अब तक विनोद नगर से निगम पार्षद रहे रवि नेगी पहली बार विधायक चुने गए हैं। उन्होंने पटपड़गंज सीट से आम आदमी पार्टी के अवध ओझा को चुनाव हराया है। इससे पहले वह मनीष सिसोदिया को भी कड़ी टक्कर दे चुके थे। रवि नेगी के इससे पहले भी कई ऐसे वीडियो वायरल हो चुके हैं जिनमें वह दुकानदारों को दुकान पर अपना नाम लगाने को कहते हैं।

8 मार्च तक महिलाओं को खाते में पैसे भेजने का था वादा, एक बहाना बना सकती है भाजपा: आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार अपने वादों को पूरा नहीं करना चाहती है और इसके लिए आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने का बहाना बना सकती है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के दौरान दिल्ली की आर्थिक स्थिति मजबूत किए जाने का दावा करते हुए कहा कि भाजपा ने 8 मार्च तक सभी महिलाओं के खातों में 2500 रुपए की पहली किस्त भेजने का वादा किया था, लेकिन इसे पूरा करने का उनका इरादा नहीं है। भाजपा ने दिल्ली में सरकार बनने पर 'महिला समृद्धि योजना' लागू करने का वादा किया है।

आतिशी ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'भाजपा ने दिल्ली चुनाव में कई वादे किए। उन्होंने मोदी की गारंटी नाम से पर्चा बांटा जिसमें पहला वादा है कि दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपए मासिक दिए जाएंगे। भाजपा ने बार-बार कहा कि पहली कैबिनेट में महिलाओं को ढाई हजार मासिक आर्थिक सहायता देने का निर्णय होगा और 8 मार्च तक दिल्ली की हर महिला के खाते में पहली किस्त आ जाएगी। भाजपा के सूत्रों के हवाले से हमें पता चला है कि ना सिर्फ ढाई हजार बल्कि बाकी सारे वादे जो भाजपा ने किए थे उनको पूरा करने का उनका कोई इरादा नहीं है।'

कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में विधायकों के बीच लड़ाई झगड़ा चल रहा है कि कौन किस विभाग का मंत्री बनेगा कि कौन कितनी लूट कर सकता है। आतिशी ने कहा कि भाजपा आम आदमी पार्टी की सरकार पर ठीकरा फोड़कर बहाना बनाएगी और वादे पूरे नहीं करेगी। उन्होंने कहा, 'उन्होंने (भाजपा) प्लान बनाया है कि अपने वादे ना पूरा करने का ठीकरा वो आम आदमी पार्टी पर फोड़ेंगे और कहेंगे कि हम इसलिए वादे पूरे नहीं कर पाए क्योंकि दिल्ली सरकार के पास पैसे नहीं है। क्योंकि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली सरकार को वित्तीय संकट में डाल दिया। ये बहाना करके अपनी लूट को छिपाने की कोशिश करेंगे, अपने वादे तोड़ने के बहाने बनाएंगे।'

दिल्ली की आर्थिक हालत पर क्या बोलीं आतिशी

आतिशी ने 2015 से 2025 के बीच दिल्ली आर्थिक हालत में आए बदलाव की चर्चा की और दावा किया कि यह मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि 2014-15 में इसका बजट 31 हजार करोड़ रुपए का था जो 2024-25 में बढ़कर 77 हजार करोड़ रुपए का हो गया। 10 साल में इसमें 46 हजार करोड़ का इजाफा हुआ, ढाई गुना से वृद्धि ज्यादा हो गई। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने कर्जे में भी भारी कमी की है। उन्होंने कहा कि जीडीपी डेब्ट रेशियो 2014 में 6.6 फीसदी था, 2023 में 3.9 पर्सेंट हो गया और 2025 में जब सरकार छोड़कर जा रहे हैं तो मात्र 3 फीसदी है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने पुरानी सरकार का कर्जा भी चुकाया।

आतिशी ने कहा कि 2022 में सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया था कि दिल्ली देश का एकमात्र रेवेन्यू सरप्लस सरकार है, जब से दिल्ली में अरविंद

केजरीवाल की सरकार बनी। एक इनकनॉमिक बूम करके अरविंद केजरीवाल की सरकार भाजपा को सौंप रही है। आप नेता ने कहा, 'भाजपा ने जो वादे किए थे, मैं उम्मीद करती हूं कि वे आर्थिक बहाने ना बनाकर अपने वादे पूरे करे, खासकर हर महिला को ढाई हजार मासिक देने का जो उन्होंने वादा किया है, जो पहली कैबिनेट में पास होना है और 8 मार्च तक बैंक के खाते में आना है। हम उम्मीद करते हैं कि भाजपा अपने वादों को पूरा करेगी।'

दिल्ली में आप की हार के बाद पंजाब में सीएम मान ने कर दी सौगातों की बौछार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है और सत्ता गंवा दी। कहीं ऐसा ही पंजाब में न हो जाए इसके लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सौगातों की बौछार कर दी है। पंजाब कैबिनेट ने सरकारी और निजी सेक्टर में 60 हजार नौकरियां देने की योजना तैयार की है। इसके अलावा कर्मचारियों के करीब 14,000 करोड़ रुपये के एरियर को मंजूरी दे दी है। कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को भी लुभाने के लिए पंजाब सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत ईडब्ल्यूएस वालों को शहरी क्षेत्रों में घर दिए जाएंगे। माना जा रहा है कि दिल्ली में मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास के रूठने के चलते आम आदमी पार्टी को झटका लगा है।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के सभी 91 विधायकों की मीटिंग हुई थी। इसके बाद भगवंत मान ने पंजाब को मॉडल स्टेट बनाने का ऐलान किया था। राज्य में विधानसभा चुनाव अभी दो साल दूर हैं, लेकिन सरकार के फैसले बता रहे हैं कि वह तैयारी के मोड में आ गई है। खासतौर पर दिल्ली में लगे झटके ने उसे सतर्क किया है। दिल्ली को आम आदमी पार्टी के गढ़ के तौर पर देखा जा रहा था। गोवा, गुजरात, पंजाब समेत कई राज्यों में अरविंद केजरीवाल चुनावों में दिल्ली मॉडल लागू करने की बात करते थे। अब दिल्ली में ही हार से करारा झटका लगा है। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी की दिल्ली की बजाय पंजाब मॉडल के नाम पर नैरेटिव खड़ा करना चाहती है।

इसके अलावा 6 लाख सरकारी कर्मचारी और पेंशनरों और कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को भी साधने में मदद मिलेगी। कैबिनेट ने एनआरआई मामलों के निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन का भी ऐलान किया है। पंजाब में ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है, जो एनआरआई या फिर उनके परिजन बाहर बसे हुए हैं। आम आदमी पार्टी को यह वर्ग समर्थन देता रहा है। इसी वर्ग की मदद के लिए जालंधर, कपूरथला, नवांशहर, लुधियाना और मोगा में फास्ट ट्रैक कोर्ट्स के गठन का फैसला हुआ है। भगवंत मान सरकार ने जिन 60 हजार पदों पर भर्ती का फैसला लिया है। उनमें से 2000 पद शिक्षा विभाग के होंगे। सरकार के प्रवक्ता ने कैबिनेट मीटिंग के बाद इन योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

हालांकि अब भी पंजाब सरकार के सामने संकट की स्थिति रहेगी। इसकी वजह यह है कि राज्य सरकार कर्ज में दबी है और उसके लिए लुभावनी स्कीमों को एक हद से ज्यादा लागू कर पाना मुश्किल होगा। इसके अलावा पार्टी की बड़ी चिंता यह है कि दिल्ली में फ्रीबीज वाला मॉडल फेल रहा है। ऐसे में सिर्फ फ्री के नाम पर भी चुनाव जीतना मुश्किल होगा। यही वजह है कि सरकार कर्मचारियों, पेंशनरों और कमजोर आर्थिक वर्गों को साधने की कोशिश में है।

ममता कुलकर्णी बनी रहेंगी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर

महाकुंभ नगर ।फिल्म जगत के बाद अध्यात्म से जुड़ने वाली और हाल में किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा देने वाली ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है और वह किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनी रहेंगी।ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''महामंडलेश्वर पद से मेरा इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया। मैं आभारी हूं कि आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने मुझे इस पद पर बनाए रखा। महामंडलेश्वर बनाने के बाद मैंने जो गुरु को भेंट की थी वह छत्र, छड़ी और चंवर के लिए और उसमें से जो पैसा बचा वह भंडारे के लिए था।'' इससे पूर्व 10 फरवरी को ममता कुलकर्णी ने एक वीडियो जारी कर कहा था ''मैं यमाई ममता नंद गिरि अपने पद से इस्तीफा देती हूं। किन्नर अखाड़े और दूसरे संतों के बीच मुझे महामंडलेश्वर बनाए जाने को लेकर दिक्कत हो रही है।'' उन्होंने कहा था, ''25 साल तपस्या के बाद मुझे यह सम्मान दिया गया था। मैंने देखा कि मुझे महामंडलेश्वर पद दिए जाने से कई लोगों को आपत्ति हुई। मैंने चौतन्य गगन गिरि महाराज के सानिध्य में 25 साल घोर तपस्या की।''

पटना में वैलेंटाइन डे के मौके पर पार्क में पहुंचे शिव भवानी सेना के कार्यकर्ता तो लड़के-लड़कियां भाग निकले

पटना ।बिहार की राजधानी पटना में वैलेंटाइन डे पर लड़के और लड़कियां एक पार्क में पहुंचे थे।तभी वहां लठ लेकर घूम रहे भवानी सेना के सदस्यों को देखने पर लड़के-लड़कियां भाग निकले।दरअसल, हिंदू संगठन शिव भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न पार्कों में लाठी-डंडों के साथ गश्त शुरू की थी।इसी कड़ी में कार्यकर्ता पार्क में भी पहुंचे थे। रिपोर्ट के अनुसार, शिव भवानी सेना के कार्यकर्ता स्वामी सहजानंद सरस्वती पार्क में पूरी टीम के साथ लाठी लेकर पहुंचे।इस पार्क में कुछ लड़कियां और लड़के बैठे हुए थे।जब लड़कियों ने भवानी सेना के लोगों को लाठी लेकर आते देखा तब तुरंत उठकर मौके से भाग निकली।शिव भवानी सेना के सदस्य लव सिंह ने कहा कि वैलेंटाइन डे हिंदू संस्कृति के खिलाफ है।आज के दिन हम अपने शहीदों को याद करें, न कि पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण करें।जो भी पार्कों में अश्लीलता फैलाएगा, उससे लाठी-डंडों से निपटा जाएगा। गौरतलब है कि बीते दिनों पटना की सड़कों पर संगठन ने कई पोस्टर लगाए थे, जिसमें वैलेंटाइन डे के बहिष्कार की अपील की थी।संगठन के द्वारा पोस्टर में लिखा था कि जहां मिलेंगे बाबू सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना।पोस्टरों में अपील की गई थी कि वैलेंटाइन डे मनाने की बजाय पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को सम्मान देना चाहिए।

सांसद अंसारी के बिगड़े बोल कहा- ऐसे तो स्वर्ग हाउसफुल हो जाएगा और नर्क खाली

गाजीपुर।सांसद अफजाल अंसारी ने महाकुंभ स्नान को लेकर विवादित बयान दिया है।उन्होंने कहा है कि पूरे देश में कुंभ स्नान की होड़ लगी हुई है।लोग मानकर चल रहे हैं कि इसमें स्नान करने से उन्हे बैकुंठ मिलेगा। अगर ऐसा है तो स्वर्ग भी हाउसफुल हो जाएगा और नर्क खाली रहेगा।रविदास जयंती के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा सांसद ने कहा कि महाकुंभ में स्नान करने की होड़ मची हुई है।ऐसा लग रहा है जैसे सभी लोग स्वर्ग में ही चले जाएंगे, जो हाउसफुल हो जाएगा। वहीं नरक बिल्कुल खाली रह जाएगा।उन्होंने कहा कि महाकुंभ के चलते सड़कों पर चलना दूभर हो गया है। ट्रेनों में युवाओं द्वारा खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए जा रहे हैं, पुलिस असहाय नजर आ रही है।इस दौरान सांसद ने मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ का जिक्र करते हुए भी कहा कि लोग कुचल कर मर जा रहे हैं।गौरतलब है कि पूर्वांचल के बाहुबली मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सांसद अफजाल अंसारी ने लगभग 2 महीने पहले भी इसी तरह का एक विवादित बयान दिया।कहा था कि महाकुंभ में पूरी एक मालगाड़ी गांजा खप जाएगा। साधु-संत केवल गांजा पीते हैं।उनके इस विवादित बोल को लेकर गाजीपुर पुलिस द्वारा एक मुकदमा भी दर्ज कराया गया है।वहीं अब महाकुंभ पर उनके इस कटाक्ष की भी चर्चा होने लगी है।महाकुंभ मेले में संगम में स्नान करने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और आम स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ से पार हो गई है। माघ पूर्णिमा के मौके पर 2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। आधिकारिक बयान के अनुसार महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने वालों की संख्या 46 करोड़ 25 लाख से अधिक हो चुकी है जबकि महाकुंभ के समापन को अभी एक पखवारा शेष है।

धारावी पुनर्विकास परियोजना : 1.5 लाख मकानों का पुनर्वास करने की योजना

मुंबई। धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) ने आधुनिकीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है।इस परियोजना के तहत 1.5 लाख मकानों का पुनर्वास करने की योजना है, जो धारावी के निवासियों के लिए नये आवास, ढांचे और आर्थिक अवसरों का संशोधित प्रावधान करता है। इस परियोजना को जल्द ही मेंटेन करने के लिए धारावी में टाउनशिप की योजना है, जो चौड़ी सड़कें, हरित स्थान, जल और सीवेज प्रणाली के साथ सुदृढ़ सुविधाओं को शामिल करेगा। पिछले वर्ष दिसंबर में धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) ने नाम बदलकर नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएमडीपीएल) रख लिया, जो कंपनी के आधुनिक, समावेशी और जीवंत समुदाय के निर्माण के वादे के अनुरूप है।अन्य झुग्गी पुनर्वास परियोजनाओं के विपरीत, निवासियों को ऊंची झुग्गियों में नहीं रखा जाएगा, बल्कि अच्छी तरह से नियोजित टाउनशिप में रखा जाएगा, जिसमें चौड़ी सड़कें, हरित स्थान और उचित जल और सीवेज प्रणाली जैसी उपयुक्त सुविधाएं होंगी।इन टाउनशिप में मल्टी-मॉडल परिवहन केंद्र होंगे।प्रवक्ता के अनुसार, टाउनशिप में स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं, खेल के मैदान, सामुदायिक केंद्र और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स शामिल होंगे। प्रवक्ता ने कहा ?कि इस पुनर्विकास के साथ-साथ बुनियादी ढांचे से न केवल धारावी वासियों के जीवन में सुधार होगा, बल्कि पड़ोस और मुंबई वासियों के बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर में भी सुधार होगा। एनएमडीपीएल एक विशेष प्रयोजन से स्थापित कंपनी (एसपीवी) है, जिसे महाराष्ट्र सरकार और अदाणी समूह के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में बनाया गया है।

केरल : मंदिर में आतिशबाजी से बिचके हाथियों ने लगाई दौड़, तीन की मौत 20 घायल

तिरुवनन्तपुरम। केरल के कोयिलैंडी के पास मानकुलंगरा मंदिर में गुरुवार शाम को एक दर्दनाक हादसा हो गया।यहां उत्सव के दौरान आतिशबाजी हो रही थी, तभी दो हाथी बिचक गए और उन्होंने दौड़ लगा दी।इससे पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई।भगदड़ के दौरान हाथ एक दीवार से टकरा गया जिससे दीवार भरभराकर गिर गई।इसमें कई लोग मलबे में दब गए। जिससे दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, दीवार गिरने से दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई।लगभग 20 लोग मामूली रूप से घायल भी हुए। इस घटना पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दुख व्यक्त किया है।

मोदी सरकार पर दबाव बनाने महापंचायत में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हजारों किसान हुए शामिल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खनौरी और शंभू बॉर्डर पर किसान बीते एक साल से आंदोलन कर रहे हैं। किसान संगठनों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों की बैठक हुई है। यह मीटिंग किसान आंदोलन 2.0 के एक साल पूरा होने पर आयोजित की गई थी। माना जा रहा है कि मोदी सरकार पर मीटिंग से पहले दबाव बनाने के लिए हजारों किसानों ने बैठक से पहले एकजुट हुए। इस महापंचायत में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हजारों किसानों ने हिस्सा लिया।

इस महापंचायत से पहले 11 तारीख को राजस्थान के रतनपुरा और फिर 12 तारीख को खनौरी बॉर्डर पर आयोजन हुआ था। महापंचायत में किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि अब तक आंदोलन में बीते एक साल में 43 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 450 किसान जख्मी हो चुके हैं। इसमें 35 किसान बुरी तरह से घायल हैं। बीते साल किसान आंदोलन के दौरान शुभकरण सिंह की मौत हो गई थी। इस बीच किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने अपने अनशन के 80वें दिन के मौके पर कहा कि मैं अपने संकल्प पर अडिग हूं।

सूत्रों का कहना है कि संयुक्त किसान मोर्चा के कुल 14 प्रतिनिधि केंद्र सरकार के साथ मीटिंग में हिस्सा लेने वाले है। इस मीटिंग में एमएसपी की लीगल गारंटी सहित कई मसले उठाए जा सकते हैं। किसान संगठनों ने लंबी लिस्ट तैयार की है। अब देखना होगा कि किन मसलों पर सहमति बनती है। किसान संगठनों का मुख्य जोर एमएसपी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने पर है। एक अहम डिमांड है कि किसानों के सारे कर्ज माफ कर दिए जाएं। इस मांग को लेकर केंद्र सरकार कुछ आंशिक ऐलान कर सकती है। जैसे छोटे किसानों को कर्ज से राहत दे दी जाए।

शब-ए-बरात पर नहीं खुली जामिया मस्जिद, मीरवाइज भी नजरबंद, भड़के सीएम उमर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद से जामिया मस्जिद में शब-ए-बरात की नमाज पर प्रतिबंध लगाया गया था। श्रीनगर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में लगातार छठे साल भी शब-ए-बरात के मौके पर सामूहिक नमाज की इजाजत नहीं दी गई। वहीं पुलिस ने मीरवाइज उमर फारूक को नजरबंद कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी पुलिस की इस कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि अब भी लोग कानून व्यवस्था और प्रशासन पर यकीन नहीं कर सकते।

उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, इतने पवित्र मौके पर ऐतिहासिक जामिया मस्जिद को सील कर देना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे लोगों के विश्वास को धक्का लगा है। श्रीनगर की पुलिस को कोई बेहतर रास्ता निकालना चाहिए था। उन्हें लगता है कि जब तक सख्ती नहीं होगी तब तक शांति नहीं हो सकती। हालांकि श्रीनगर के लोग बेहतर के हकदार हैं।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह खबर सुनकर हैरान हूं कि जामा मस्जिद को बंद कर दिया गया। वहीं आम जनता को यहां जाने से ही रोक दिया गया। उन्होंने उपराज्यपाल और उमर अब्दुल्ला से सवाल किया कि क्या इस बारे में कोई जवाब दिया जाएगा। उन्होंने पुलिस के इस कदम को असंवैधानिक बताया है। वहीं अंजुमन औकाफ जामिया मस्जिद की तरफ से कहा गया कि मीरवाइज फारूक को गुरुवार सुबह ही उनके आवास में ही कैद कर दिया गया। ऐसे में वे नमाज अदा करने मस्जिद भी नहीं जा पाए। वहीं मस्जिद प्रबंधन का कहना है कि पुलिस ने उन्हें जानकारी दी थी की रात में शब-ए-बरात के मौके पर नमाज की अनुमति नहीं दी जाएगी। आम तौर पर मीरवाइज की अगुआई में ही जामिया मस्जिद में नमाज होती थी। बता दें कि बीते पांच सालों में भी जामिया मस्जिद में शब-ए-बरात की नमाज की अनुमति नहीं दी गई है। 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद से ही इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अंजुमन औकाफ की तरफ से कहा गया कि बड़ी संख्या में लोग ऐतिहासिक और पवित्र मस्जिद में नमाज अदा करना चाहते थे। लेकिन पुलिस प्रशासन ने जबरन मस्जिद को बंद करवा दिया और मीरवाइज को नजरबंद कर दिया। लोगों के मौलिक धार्मिक अधिकार का हनन हो रहा है। जम्मू-कश्मीर के लोगों को बड़ा धक्का लगा है।

कटड़ा-बनिहाल खंड में शुरु होगा ट्रेनों का संचालन, 17 फरवरी को पीएम मोदी दिखाएगें हरी झड़ी

कटरा ।उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) का कटड़ा-बनिहाल खंड परिचालन के लिए खुलने वाला है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 फरवरी को इस खंड पर ट्रेन के परिचालन को हरी झंडी दिखाना परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।111 किमी लंबा कटड़ा-बनिहाल रेल खंड कई मायनों में खास है।चिनाब पुल इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है और यह खंड का एक प्रमुख आकर्षण होगा।अंजी खड्ड पर बना देश का पहला रेलवे केबल स्टे पुल- अपनी तरह का पहला पुल है और यह भारतीय रेलवे के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।वहीं प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि ट्रेन परिचालन की औपचारिक शुरूआत से पहले सभी जरूरी काम पूरे हो जाएं।यूएसबीआरएल परियोजना जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए एक बड़ा वरदान साबित होगी और इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

वक्फ संशोधन बिल से आम मुसलमानों को कोई खतरा नहीं-मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

बरेली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शुक्रवार को कहा कि संसद में वक्फ संशोधन बिल पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है, जिससे काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस बिल से आम मुसलमानों, मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों और गलत जानकारी से भ्रमित न हों।

पत्रकारों से बातचीत में मौलाना रजवी ने कहा कि इस बिल से केवल उन लोगों को डरने की जरूरत है, जिन्होंने बुजुर्गों की वक्फ की गई जमीनों और जायदादों पर अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई भू-माफिया वक्फ की जमीनों को खुर्द-बुर्द कर रहे हैं और इस कारण आम मुसलमान भी परेशान हैं। मौलाना ने वक्फ बोर्ड के अध्यक्षों और सदस्यों पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग मनमाने तरीके से वक्फ की जमीनों को भू-माफियाओं को बेचने का काम कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड के जिम्मेदारों ने करोड़ों की जमीनें औने-पौने दामों पर बेच दी हैं। उन्होंने कहा कि इस संशोधन बिल के लागू होने से इस तरह के भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी।

मौलाना ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने अपनी जमीनें और जायदादें इसलिए वक्फ की थीं ताकि उससे मिलने वाली आमदनी गरीब और कमजोर मुसलमानों की मदद के लिए खर्च हो। लेकिन वक्फ बोर्ड के भ्रष्टाचार के कारण यह मकसद पूरा नहीं हो सका। उन्होंने भारत सरकार से मांग की कि इस बिल को जल्द से जल्द संसद में पारित कर लागू किया जाए। मौलाना ने कहा कि इस बिल का विरोध केवल वे लोग कर रहे हैं जिन्होंने वक्फ की जमीनों पर आलीशान इमारतें बना रखी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों की आमदनी गरीब मुसलमानों की मदद में खर्च होने के बजाय उनके निजी खजाने में जा रही है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे इस बिल के खिलाफ दुष्प्रचार से बचें और सच को समझें।

लालू पर केंद्रीय मंत्री मांझी ने कसा तंज, अगर जलन हो रही है, तब बढ़िया लोशन खादी मॉल से खरीद लें

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में फिर बयानबाजी का दौर शुरु हो गया है। इस बार केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के द्वारा केंद्रीय मंत्री मांझी ने लालू यादव को उनके राजनीतिक अतीत की याद दिलाकर चुटकी लेकर कहा कि अगर उन्हें बीजेपी की लगातार जीत से जलन हो रही है तब 'ईर्ष्या कम करने का बढ़िया लोशन खादी मॉल में उपलब्ध है।

मांझी ने पोस्ट में लिखा, आदरणीय लालू यादव जी, वैसे आप कोई भविष्य वक्ता नहीं ही हैं। लेकिन एक जानकारी रख लिजिए। वर्ष 2005 में आपके सामने ही बिहार में भाजपा एनडीए की गठबंधन की सरकार बनी। साल 2010 में आपके सामने ही आपका सुपड़ा साफ फिर भाजपा गठबंधन वाली एनडीए सरकार बनी। वर्ष 2014 में लालू जी आपके सामने ही केन्द्र में भाजपा एनडीए सरकार बनी और आजतक बिहार और केंद्र में भाजपा एनडीए की ही सरकार है और आगे बिहार और केंद्र में एनडीए की सरकार रहने वाले है। वैसे यदि इससे जलन हो रही हो, हमारे खादी मॉल में जलन में काम करने वाला अच्छा लोशन मिलता है आप उपयोग करें।

केंद्रीय मांझी की प्रतिक्रिया लालू यादव के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था 'दिल्ली चुनाव के नतीजों का बिहार पर कोई असर नहीं होगा। बीजेपी के सरकार बनाने के दावे पर उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'ऐसे ही भाजपा सरकार बना लेगी? हमलोग के यहां रहते हुए? जनता अब बीजेपी वालों को अच्छे से जान चुकी है।

चीन-अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक बना भारत

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत का ई-वेस्ट एक बड़ा आर्थिक अवसर दे रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि मेटल एक्सट्रैक्शन के जरिए रिकवर किए जाने वाले मटीरियल में 6 बिलियन डॉलर की अनुमानित आर्थिक क्षमता का है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश का ई-वेस्ट वित्त वर्ष 2014 में 2 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 3.8 एमएमटी हो गया है, जो शहरीकरण और बढ़ती आय के कारण हुआ है। मुख्य रूप से घरों और व्यवसायों द्वारा उत्पन्न कंज्यूमर सेगमेंट ने वित्त वर्ष 2024 में कुल ई-वेस्ट का करीब 70 फीसदी योगदान दिया।

ई-वेस्ट उत्पादन में एक बड़ा ट्रेंड मटीरियल की तीव्रता में बदलाव है, जबकि उपकरण अधिक कॉम्पैक्ट और हल्के होते जा रहे हैं। त्यागे गए सामानों की मात्रा बढ़ रही है, जिससे कुशल रीसाइक्लिंग रणनीतियों की जरुरत होती है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के पार्टनर जसबीर एस जुनेजा ने कहा कि आने वाले सालों में ई-वेस्ट की मात्रा बढ़ने की उम्मीद है। ई-वेस्ट में मेटल का बढ़ता मूल्य भारत के लिए रिकवरी दक्षता बढ़ाने और खुद को सस्टेनेबल मेटल एक्सट्रैक्शन में लीडर के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर देता है।

वर्तमान में भारत में कंज्यूमर ई-वेस्ट का केवल 16 फीसदी फॉर्मल रिसाइक्लर द्वारा प्रोसेस किया जाता है। वित्त वर्ष 2035 तक फॉर्मल रिसाइकलिंग सेक्टर में 17 फीसदी सीएजीआर वृद्धि के अनुमानों के बावजूद इसके द्वारा भारत के ई-वेस्ट का केवल 40 फीसदी ही हैंडल करने की उम्मीद है। इस सेक्टर को अनौपचारिक प्लेयर्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो कम अनुपालन लागत और व्यापक संग्रह नेटवर्क का लाभ उठाते हैं।

ईपीआर तब से उत्पादकों के लिए परिभाषित संग्रह लक्ष्यों के साथ एक अनिवार्य प्रणाली में विकसित हुआ है। हालांकि कम न्यूनतम ईपीआर शुल्क और अपर्याप्त औपचारिक रीसाइक्लिंग क्षमता के कारण अंतराल बने हुए हैं। फॉर्मल रीसाइक्लिंग नेटवर्क को मजबूत करना मेटल रिकवरी रेट में सुधार और रिटर्न को बढ़ाने करने की कुंजी है। इससे भारत की मेटल आयात मांग में 1.7 बिलियन डॉलर तक की कमी आ सकती है, जबकि हाई-वैल्यू रिसाइकल्ड मेटल की निरंतर सप्लाई सुनिश्चित हो सकती है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

हल्दी एवं अदरक

प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तालाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन

से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तालाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है।

एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है। पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ओपनर बन सकती है विक्की कौशल की छावा

दिनेश विजान निर्मित और लक्ष्मण उतेकर निर्देशित ऐतिहासिक फिल्म छावा को लेकर दर्शकों में एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में कितनी दीवानगी इस बात का सबूत फिल्म की 9 फरवरी से शुरू हुई एडवांस बुकिंग से चलता है। मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित यह फिल्म साल 2025 की अब तक की हाईएस्ट ओपनर बॉलीवुड फिल्म बनने की राह पर अग्रसर है। वैलेंटाइन के दिन 14 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने से पहले ही फिल्म एडवांस बुकिंग में नया रिकॉर्ड भी बना सकती है। जब से छावा के लिए सिनेमाघरों की टिकट खिड़कियां खुली हैं तभी से जमकर टिकट बिक रही है। 9 फरवरी को ही छावा की एडवांस बुकिंग शुरू हुई थी और सिर्फ चार दिन के अंदर ही इसने करोड़ों रुपए की कमाई करने में सफलता प्राप्त कर ली है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार (12 फरवरी) को दोपहर 1 बजे तक फिल्म 2,17,629 टिकट सेल हुई हैं। एडवांस बुकिंग के जरिए लक्ष्मण उतेकर की निर्देशित फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। जबकि ब्लॉक सीटों के साथ छावा ने 7.68 करोड़ रुपये कमाए हैं। उम्मीद है कि फिल्म पहले दिन 15 से 18 करोड़ रुपये कमा सकती है। मंगलवार को सुबह 11 बजे तक बॉक्स ऑफिस पर इसके एडवांस बुकिंग के पहले दिन करीब 1.48 लाख टिकट बिक चुके थे, जिससे कुल 4.21 करोड़ रुपए की कमाई हुई। ब्लॉक सीट डेटा सहित प्री-सेल्स बिजनेस के साथ फिल्म ने 5.53 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। कमाई के मुताबिक सबसे ज्यादा कारोबार महाराष्ट्र से हो रहा है जहां दर्शक छत्रपति संभाजी राज की यह फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि फिल्म छावा पहले दिन 15-18 करोड़ रुपए की कमाई कर सकती है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी के जीवन और उनकी वीरता पर आधारित है, जिन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब के साथ युद्ध किया था। बॉक्स ऑफिस को उम्मीद है कि छावा अजय देवगन की मराठा योद्धा तान्हाजी के ज्यादा बड़ी और भव्य फिल्म साबित हो सकती है। इस फिल्म को लेकर महाराष्ट्र के दर्शकों में जबरदस्त जुनून नजर आ रहा है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों को प्रभावित किया है। हालांकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों और संवादों को हटाने का निर्देश निर्माताओं को दिया जिसे उन्होंने तुरन्त स्वीकार करते हुए उनमें संशोधन कर दिया है। अजय देवगन की तान्हाजी ने अपने समय में बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था। छावा अगर उनके इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल हो जाती है तो यह तय है कि विक्की कौशल हिन्दी सिनेमा के बड़े सितारों में शुमार हो जाएंगे।

टॉक्सिक की शूटिंग दो भाषाओं में कर रहीं हैं कियारा आडवाणी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी पहली कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीता मोहनदास के हाथों में है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन गैंगस्टर ड्रामा है, जिसे अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

दो भाषाओं में कियारा कर रहीं शूटिंग

बीते काफी समय से कियारा का करियर कुछ खास नहीं चल रहा है। ऐसे में टॉक्सिक से उन्हें काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा मेहनत भी कर रही हैं। कियारा आडवाणी इस फिल्म में दोनों भाषाओं (अंग्रेजी और कन्नड़) में अपने संवादों को प्रस्तुत करेंगी, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। केजीएफ चैप्टर 2 के बाद यश इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि इस नई जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्सुक नजर आ रहे हैं।

टॉक्सिक का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म इस साल वैश्विक स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग बेंगलुरु में चल रही है। निर्देशक गीता मोहनदास से दर्शक शानदार एक्शन और कहानी की उम्मीदें लगाए बैठे हैं।

वॉर में भी जल्द आएंगी नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में कियारा आडवाणी को फिल्म गेम चेंजर में देखा गया था। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ दिखी थीं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। वहीं, उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ दिखेंगी।

विवाद के बीच समय रैना के बचाव में आईं उर्फी

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में अभद्र टिप्पणी को लेकर रणवीर इलाहाबादिया विवादों में हैं। समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद कथित फ्रेंड समय रैना के बचाव में आई हैं।

मशहूर यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने हाल ही में समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में परिवार को लेकर अश्लील टिप्पणी की। उन्होंने जो कुछ भी कहा, उस पर विवाद हो रहा है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना सहित कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। रणवीर की अलोचना हो रही है तो समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। यूट्यूब पर आपत्तिजनक कंटेंट दिखाने के लिए समय को जेल भेजने की मांग की जा रही है। इस पर उर्फी जावेद कथित दोस्त के बचाव में आई हैं।

जेल नहीं भेजना चाहिए

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट को यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ पिछले एपिसोड को लेकर कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। शो में कथित तौर पर अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल को लेकर दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना की जमकर आलोचना हो रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्फी जावेद कहा है, भले ही पैनल पर इस तरह की टिप्पणियां की गईं, जो आपत्तिजनक थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें जेल नहीं भेजना चाहिए।

जो कहा वो गलत था, लेकिन...

उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, आपको कुछ लोग पसंद नहीं हैं, आपको उनकी कही या की गई बातें पसंद नहीं हैं, लेकिन इसके लिए आप उन्हें जेल भेजने की मांग कर रहे हैं? क्या वाकई? मुझे नहीं पता। समय दोस्त है, मैं उनका साथ देती हूं, लेकिन पैनल के बाकी लोगों ने जो कहा वह आपत्तिजनक था। वह टिप्पणी आपत्तिजनक थीं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे इसके लिए जेल जाने के लायक हैं।

इमरजेंसी देख मृणाल ठाकुर ने की कंगना रनौत की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी देखी। इसके बाद उन्होंने एक ट्रोल द्वारा इसे प्रोपेगैंडा फिल्म कहे जाने के बाद कंगना का बचाव किया। मृणाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना की तारीफ की है।

मृणाल ठाकुर ने की इमरजेंसी की तारीफ

मृणाल ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना रनौत की तस्वीर शेयर कर उनकी तारीफ की है। उन्होंने लिखा, मैंने अभी-अभी अपने पिता के साथ सिनेमाघरों में इमरजेंसी देखी और मैं अभी भी उस अनुभव से उबर नहीं पाई हूं! कंगना रनौत की बहुत बड़ी प्रशंसक होने के नाते, मैं इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी और यह एक बेहतरीन फिल्म थी।

मृणाल ने की कंगना की तारीफ

मृणाल ने लिखा, गैंगस्टर से लेकर क्वीन, तनु वेड्स मनु से लेकर मणिकर्णिका, थलाइवी और अब इमरजेंसी तक कंगना लगातार अपनी सीमाओं को लांघकर काम करती जाती हैं। इस फिल्म में कंगना का निर्देशन और अदाकारी दोनों शानदार हैं। कंगना, आप सिर्फ एक अभिनेता नहीं हैं। आप एक सच्ची कलाकार और प्रेरणा हैं। उनकी चुनौती पूर्ण भूमिकाएं हमेशा सबको प्रेरित करती हैं। कंगना रनौत और उनकी फिल्म की पूरी टीम ने एक बहुत शानदार मास्टर पीस बनाया है। मैं इसे बड़े पर्दे पर देख सकी, ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आपकी तारीफ करना कभी बंद नहीं करूंगी। कंगना की फिल्म को लेकर मृणाल ने कहा कि पटकथा, संवाद, संगीत और संपादन बहुत अच्छे और अट्रैक्टिव हैं। उन्होंने फिल्म में नजर आए सभी कलाकारों की तारीफ की है। उन्होंने लिखा, अभिनेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

'विश्वम्भरा' के सॉन्ग सीक्वेंस के लिए शूट करेंगे चिरंजीवी

मेगास्टार चिरंजीवी की तीन फिल्में आने वाली हैं। उन्हीं में से एक है 'विश्वम्भरा', जिसकी शूटिंग अभी चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन वशिष्ठ मल्लिदी कर रहे हैं और अभिनेत्री त्रिशा मुख्य भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चिरंजीवी फिल्म का एक गाना शूट करने वाले हैं। इस सीक्वेंस में उनके साथ और कौन शामिल होगा इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस गाने का म्यूजिक ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी ने तैयार किया है कहा जा रहा है कि फिल्म 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, हालांकि निर्माताओं द्वारा इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। इसके स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में चिरंजीवी के अलावा आशिका रंगनाथ, राम्या पसुपुलेटी, ईशा चावला, आश्रिता और अन्य कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म में कुणाल कपूर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

बी प्राक ने कैंसिल किया रणवीर अलाहबादिया का पॉडकास्ट

पेरेंट्स और महिलाओं पर भद्दे कमेंट मामले के बाद सिंगर बी प्राक ने यूट्यूबर रणवीर अलाहबादिया के पॉडकास्ट में जाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा- मैं बीयर बाइसेप्स के पॉडकास्ट में जाने वाला था, लेकिन अब इसे कैंसिल कर दिया है। वजह उनकी गिरी हुई मानसिकता है। समय रैना के शो में कैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। यह हमारा इंडियन कल्चर नहीं है। बी प्राक ने यह बातें इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कहीं।

'रणवीर आप सनातन धर्म को प्रमोट करते हैं, लेकिन सोच घटिया'

बी प्राक ने कहा, 'आप (रणवीर) अपने पेरेंट्स की कौन सी स्टोरी बता रहे हैं। आप उनकी कौन सी बातें कर रहे हैं। किस तरीके से यह बातें कर रहे हैं। यह कॉमेडी है? इसे कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं कहते। लोगों को गालियां देना, लोगों को गालियां सिखाना स्टैंड-अप कॉमेडी नहीं है। मुझे समझ ही नहीं आ रहा है कि यह कौन सी जनरेशन है। शो में एक सरदार (बलराज घई) जी आते हैं। सरदार जी आप एक सिख हैं, क्या आपको यह चीजें शोभा देती हैं। सरदार जी इंस्टाग्राम के वीडियो में कहते हैं कि मैं गालियां देता हूं, क्या प्रॉब्लम है। हमें प्रॉब्लम है और रहेगी। रणवीर अलाहबादिया आप सनातन धर्म को प्रमोट करते हैं। इतने बड़े-बड़े लोग आपके पॉडकास्ट में आते हैं, बड़े-बड़े संत आते हैं और आपकी इतनी घटिया सोच है। आप इतने फेमस हो गए हैं। आपको तो यह दिखाना चाहिए कि अपने कल्चर को कैसे प्रमोट करें।'

सिंगर कहते हैं, 'दोस्तों मैं आपसे एक ही बात बोलूंगा कि अगर हम यह सारी चीजें नहीं रोक पाए, तो हमारी आने वाली जनरेशन का भविष्य बहुत खराब होगा। मैं समय रैना समेत सभी कॉमेडियन से हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि ऐसा मत करिए। हमारे इंडियन कल्चर को बचा कर रखिए और लोगों को मोटिवेट करिए। ऐसा कंटेंट बनाइए कि आने वाली जनरेशन को प्रेरणा मिले। थैंक्यू, राधे-राधे।

इंडियाज गॉट लेटेंट स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना का शो है, जिस पर विवाद हो रहा है। यह एपिसोड 8 फरवरी को यूट्यूब पर रिलीज किया गया था। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद एपिसोड को यूट्यूब से हटा दिया गया है। इस शो में पेरेंट्स और महिलाओं को लेकर ऐसी बातें कही गईं। समय रैना के इस शो में बोल्ड कॉमेडी कंटेंट होता है। शो के दुनियाभर में 73 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। शो के हर एपिसोड को यूट्यूब पर औसतन 20 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिलते हैं। समय और बलराज घई को छोड़कर शो के हर एपिसोड में जज बदलते रहते हैं। हर एपिसोड में नए कंटेस्टेंट को परफॉर्म करने का मौका मिलता है। कंटेस्टेंट को अपना टैलेंट दिखाने के लिए 90 सेकेंड दिया जाता है।

दर्शकों को नहीं पसंद आई जुनैद-खुशी की कॉमेडी

लवयापा बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने की कगार पर पहुंच चुकी है। यह फिल्म अपने बजट का मुश्किल से 10 फीसदी ही कमा सकी है। सप्ताहांत के बाद फिल्म की कमाई अब लाखों तक ही सीमित रह गई है। सोमवार को इस फिल्म ने 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, पांचवें दिन इस फिल्म ने 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब पांच करोड़ 60 लाख रुपये हो गई है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673